RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

www.mahikihunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

कमजोर कभी क्षमाशील नहीं हो सकता है, क्षमाशीलता ताकतवर की निशानी होती है...
महात्मा गांधी

वर्ष-08, अंक-48 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 17 सितंबर 2026 | पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

चुनाव जिला पंचायत सदस्य का... निगाहें विधानसभा पर...

माही की गूंज, झाबुआ।
संजय भटेवरा

झाबुआ जिला पंचायत के वार्ड क्रमांक 6 में हो रहे उपचुनाव के लिए प्रमुख दलों ने जोर-शोर के साथ तैयारी प्रारंभ कर दि हैं। वैसे तो इस उपचुनाव के परिणाम पर जिला पंचायत की बाड़ी में कोई परिवर्तन नहीं होगा। महज एक साल से भी कम समय के लिए हो रहे इस उपचुनाव के माहौल को देखकर तो यही लगता है कि, कहीं यह विधानसभा चुनाव तो नहीं है। कांग्रेस, बीजेपी, आप, बाप आदि पार्टियों ने इस वार्ड के लिए व्यापक तैयारी प्रारंभ कर दि है। यही नहीं शक्ति प्रदर्शन भी कर दिया है अब देखना यह है कि, चुनाव में जनता अपना समर्थन किसे देती है।

वार्ड क्रमांक 6 के विजय प्रत्याशी शैलेंद्रसिंह सोलंकी के निधन के कारण हो रहे उपचुनाव में भाजपा ने उनके पुत्र धर्मेश को अपना अधिकृत प्रत्याशी बनाया है। भाजपा की रणनीति यही है कि, धर्मेश के पिता के निधन से सहानुभूति को वोटो में तब्दील किया जाए और यह सीट भाजपा के खाते में बरकरार रहै। क्योंकि तमाम अनुकूल स्थितियां होने के बावजूद भाजपा के लिए जिला पंचायत अभी भी दिवास्वप्न ही बनी हुई है।

2023 के विधानसभा चुनाव में पूरे प्रदेश में भाजपा की लहर व 230 विधानसभा सीटों में से 166 सीट जीतने के बावजूद भाजपा, झाबुआ जिले की 3 विधानसभा में से दो सीट हार चुकी है। ऐसे में भाजपा की कोशिश यही है कि, इस सीट पर उपचुनाव में जीतकर आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मनोवैज्ञानिक बढ़त प्राप्त करने का प्रयास करें। वैसे तो उपचुनाव में भाजपा का रिकॉर्ड भी अच्छा नहीं रहा है। इसी कार्यकाल में थांदला विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 9 में जयश समर्थित सदस्य के इस्तीफा देने के बाद हुए उपचुनाव में भाजपा को यहां से हार का सामना करना पढा और कांग्रेस ने जित हासिल की थी। ऐसे में भाजपा की यही कोशिश रहेगी कि, वो इस उपचुनाव में जीत हासिल करें भले ही इस परिणाम से जिला पंचायत में कोई परिवर्तन संभव न हो।

वहीं कांग्रेस के लिए भी चुनाव शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन चुका है। प्रादेशिक स्तर पर भले ही कांग्रेस विधानसभा चुनाव में उपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन न कर पाई हो लेकिन झाबुआ जिला हमेशा से ही कांग्रेस के लिए मजबूत कड़ी साबित हुआ है। हाल ही में संपन्न दतिया विधानसभा उपचुनाव में मिली जीत ने कांग्रेस संगठन के लिए संजीवनी का कार्य किया है। पूरी सरकारी मिशनरी और मंत्रियों की फौज के प्रचार के बावजूद दतिया उपचुनाव में कांग्रेस ने शानदार जीत हासिल की। जिसके बाद कांग्रेस की यह कोशिश है कि, जीत का यह सिलसिला बना रहे ताकि वह सरकार पर दबाव बना के रख सके।

राज्यसभा निर्वाचन में पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार का पर्चा खारिज होने के बाद कांग्रेस फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। वार्ड क्रमांक 6 के अधिकृत प्रत्याशी दिनेश वसुनिया के साथ ही उनके सगे भाई अनिल वसुनिया का नामांकन भी भरवाया है ताकि सत्ताधारी दल की हर चुनौती का जवाब दिया जा सके। वहीं भारत आदिवासी पार्टी के समर्थन पर रामू हटीला ने भी अपना नामांकन भरा है। इस चुनावी दौर में आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष कमलेश सिंगाड़ ने भी अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है। जिसके बाद अभी तक कुल 5 प्रत्याशी मैदान में है। नाम वापसी 19 सितंबर व मतदान 29 सितंबर को होना है। ऐसे में आगामी दिनों में चुनावी सरगर्मी तेज रहने की संभावना है। भाजपा ने पूर्व सांसद गुमान सिंह डामोर सहित वरिष्ठ नेताओं की एक चुनाव संचालन समिति भी बनाई है। वहीं कांग्रेस के लिए भी पूर्व सांसद कांतिलाल भूरिया और विधायक विक्रांत भूरिया सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं के मैदान संभालने की संभावना है। अब देखना यह है कि, जनता अपना समर्थन किसे देती है भाजपा, कांग्रेस, आप या फिर बाप को...?

ओवैसी की चुनौती शर्मा का पलटवार-मिसाइल तैयार

भोपाल।

एआईएमआईएम प्रमुख एवं हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी के भोपाल दौरे के बाद भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा के साथ बयानों को लेकर विवाद बढ़ गया है। मंगलवार रात आयोजित सभा में ओवैसी ने शर्मा के काजी कैंप को लेकर दिए गए मिसाइल संबंधी बयान का जिक्र करते हुए उन्हें चुनौती दी थी। इसके जवाब में बुधवार को शर्मा ने ओवैसी के बयान पर पलटवार किया।

शर्मा ने कहा कि ओवैसी को मर्यादित भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने भारत की सैन्य क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में अपनी ताकत दिखाई है। शर्मा ने कहा कि जहां आतंकवाद के शिविर होंगे और भारत विरोधी गतिविधियां होंगी, वहां भारत की मिसाइल तैयार है। उन्होंने अपने पुराने बयान पर कायम रहने की बात भी कही। समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर भी दोनों नेताओं के बीच मतभेद सामने आए। भोपाल की सभा में ओवैसी ने मध्यप्रदेश में आदिवासी समाज को इसके दायरे से बाहर रखने और मुस्लिम समाज को इसके दायरे में लाने को लेकर सवाल उठाए। वहीं शर्मा ने समान नागरिक संहिता का समर्थन करते हुए इसे लागू किए जाने की बात कही।

विवाद की शुरुआत रामेश्वर शर्मा की काजी कैंप को लेकर की गई मिसाइल संबंधी टिप्पणी से हुई थी। बाद में शर्मा की ओर से सफाई दी गई कि उनका आशय भोपाल के काजी कैंप से नहीं, बल्कि पाकिस्तान के इस्लामाबाद स्थित काजी कैंप से था। ओवैसी ने भोपाल में अपने संबोधन के दौरान इसी बयान का उल्लेख करते हुए शर्मा को काजी कैंप आकर मिसाइल चलाने की चुनौती दी। इसके बाद शर्मा की प्रतिक्रिया सामने आने से दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई।

युवाओं को नेतृत्व संभालना होगा- निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने युवाओं से अपने क्षेत्र में नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने और देशहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। चेन्नई स्थित डॉ. एमजीआर शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान के 36वें दीक्षांत समारोह में उन्होंने कहा कि देश युवाओं की आकांक्षाओं और विचारों को सुनने के लिए तैयार है, लेकिन युवाओं को भी अपने दायित्व और नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजग रहना होगा। सीतारमण ने कहा कि युवा स्वयं को किसी भी पीढ़ी के नाम से संबोधित करें, उनकी बात सुनी जाएगी। हालांकि, उन्हें अपने आसपास हो रहे घटनाक्रम, समाज में अपनी भूमिका और देश के लिए अपने योगदान पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने स्नातक होने वाले विद्यार्थियों से अपने-अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़कर नेतृत्व करने और राष्ट्रीय हित से कभी समझौता नहीं करने की अपील की। वित्त मंत्री ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि युद्ध और अस्थिरता का सबसे अधिक असर आम नागरिकों पर पड़ता है। कई लोगों को अपने घर और जमीन छोड़कर विस्थापित होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा और मजबूती सर्वोपरि है। देश सुरक्षित और मजबूत रहेगा, तभी नागरिकों का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा।

यूपीआई शुल्कः छोटे दुकानदारों की बढ़ेगी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी।

डिजिटल भुगतान के सबसे बड़े माध्यम यूपीआई को लेकर 15 अक्टूबर से नई व्यवस्था लागू होने जा रही है। इसके तहत दुकानदारों को 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत व्यापारी शुल्क देना होगा। हालांकि, यह शुल्क ग्राहक से नहीं लिया जाएगा। एक लेनदेन पर इसकी अधिकतम सीमा 300 रुपए रखी गई है।

नई व्यवस्था का असर मुख्य रूप से उन व्यापारियों पर पड़ेगा, जिनके पास बड़े मूल्य के यूपीआई भुगतान आते हैं। 2,000 रुपए तक के भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। वहीं व्यक्ति से व्यक्ति के बीच होने वाले यूपीआई भुगतान भी पहले की तरह शुल्क मुक्त रहेंगे। 75 हजार रुपए या इससे अधिक के व्यापारी भुगतान पर भी शुल्क अधिकतम 300 रुपए ही होगा।

छोटे व्यापारियों को राहत देते हुए ऐसे दुकानदारों को शुल्क से बाहर रखा गया है, जिनके खाते में क्यूआर कोड के माध्यम से महीने में एक लाख रुपए तक का यूपीआई कारोबार आता है। सब्जी विक्रेता, चाय की दुकान, किराना दुकानदार और छोटे कारोबारियों के लिए यह व्यवस्था महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

नई व्यवस्था में रेलवे टिकट, ईंधन, बीमा, उपयोगिता सेवाओं और कुछ सरकारी सेवाओं से जुड़े निर्धारित भुगतान पर 2,000 रुपए से अधिक की राशि के लिए अलग से पांच रुपए का शुल्क तय किया गया है। ग्राहक की ओर से यूपीआई से भुगतान करने पर कोई प्रत्यक्ष शुल्क नहीं लिया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के अनुसार यूपीआई के अधिकांश छोटे मूल्य के व्यापारी भुगतान 2,000 रुपए तक के हैं। ऐसे लेनदेन पर शुल्क नहीं लगेगा। नई व्यवस्था का उद्देश्य यूपीआई भुगतान तंत्र के रखरखाव, सुरक्षा और तकनीकी ढांचे के लिए आय का स्रोत उपलब्ध कराना बताया गया है। यूपीआई के बढ़ते इस्तेमाल के बीच व्यापारी संगठनों की नजर अब इस बात पर रहेगी कि नए शुल्क का वास्तविक असर छोटे और मध्यम कारोबारियों पर कितना पड़ता है। हालांकि, नियम के तहत शुल्क व्यापारी से लिया जाना है पर यह शुल्क ग्राहक पर बोझ बनेगा।

फर्जी जीमेल खातों का खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी।

गुजरात पुलिस ने सरकारी कार्यालयों को फर्जी बम धमकी वाले ईमेल भेजने वाले बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। जांच में 5 लाख 13 हजार 847 फर्जी जीमेल खातों और उनके पासवर्ड का पता चला है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन खातों का इस्तेमाल वर्ष 2022 से किया जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, फर्जी खातों के जरिए देश के अलग-अलग राज्यों में सरकारी कार्यालयों को बम धमकी वाले संदेश भेजे जा रहे थे। गुजरात में जांच की शुरुआत 10 सितंबर को राज्य सरकार को मिले एक धमकी भरे ईमेल के बाद हुई। जांच के दौरान पुलिस को बड़ी संख्या में फर्जी जीमेल खातों की जानकारी मिली। साइबर अपराध के वरिष्ठ अधिकारी विवेक भेड़ा ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर फर्जी ईमेल खाते बनाकर उनका इस्तेमाल किए जाने का मामला पहली बार सामने आया है। पुलिस अब गूगल से उसके सुरक्षा प्रबंधों को लेकर जवाब मांगने की तैयारी कर रही है।

विधायक की बेटी पर नौकरी के साथ पीजी करने का आरोप

बेंगलुरु, एजेंसी।

कर्नाटक के बागलकोट में विधायक उमेश मेटी की बेटी डॉ. अंकिता यारगल सरकारी नम्मा क्लिनिक में नौकरी के साथ निजी चिकित्सा महाविद्यालय से स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा करने के मामले में जांच के घेरे में हैं। आरोप है कि पढ़ाई के दौरान वह नम्मा क्लिनिक में चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यरत रहीं और हर महीने 70 हजार रुपए से अधिक वेतन भी प्राप्त करती रहीं।

मामले की जांच बागलकोट जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गजानन बाले कर रहे हैं। निर्धारित जांच में डॉ. अंकिता के उपस्थित नहीं होने पर उन्हें नोटिस जारी किया गया है। उन्हें 18 सितंबर को सुबह 10 बजे जिला पंचायत कार्यालय में होने वाली अगली जांच में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी नोटिस के अनुसार डॉ. अंकिता कथित तौर पर 3 मार्च से सितंबर तक वाम्बे कॉलोनी स्थित नम्मा क्लिनिक से अनुपस्थित रहीं। अधिकारियों का कहना है कि उनकी अनुपस्थिति के कारण क्लिनिक में चिकित्सा अधिकारी उपलब्ध नहीं रहा, जिससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि निजी चिकित्सा महाविद्यालय में स्नातकोत्तर पढ़ाई के दौरान सरकारी क्लिनिक में नौकरी जारी रखने के लिए डॉ. अंकिता ने संबंधित विभाग से आवश्यक अनुमति ली थी या नहीं। अधिकारियों के अनुसार मामला सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के सेवा नियमों और चिकित्सकीय आचार संबंधी प्रावधानों से जुड़ा है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो डॉ. अंकिता के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा सकती है।

10 बागी विधायकों को नोटिस, सदस्यता पर संकट गहराया

नई दिल्ली, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर चल रही खींचतान के बीच विधानसभा सचिवालय ने ऋतब्रत बनर्जी समेत 10 बागी विधायकों को नोटिस जारी किया है। इन विधायकों से दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता की मांग पर सात दिन के भीतर जवाब मांगा गया है।

नोटिस पाने वाले विधायकों में ऋतब्रत बनर्जी के अलावा अरूप राय, फिरहाद हकीम, संदीपन साहा, अखरुजमान अंसारी, शिउली साहा, सबीना यास्मीन, बिप्लब मित्रा, जावेद खान और रथिन घोष शामिल हैं। यह कार्रवाई ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट की ओर से की गई शिकायत के बाद हुई है। तृणमूल नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने इन विधायकों की सदस्यता समाप्त करने की मांग की थी।

अखरुजमान अंसारी ने नोटिस मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि इस मामले पर पार्टी के भीतर चर्चा की जाएगी और समय सीमा के भीतर जवाब दिया जाएगा। मामले को लेकर ममता बनर्जी गुट की ओर से सर्वोच्च न्यायालय का रुख भी किया गया है। यह घटनाक्रम नंदीग्राम और रेजिनगर विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव से पहले सामने आया है। दोनों गुटों के बीच तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर भी विवाद चल रहा है। चुनाव आयोग ने दोनों पक्षों से दस्तावेज और जवाब मांगे हैं तथा 16 सितंबर तक अंतिम पक्ष रखने को कहा था। इस बीच तृणमूल से अलग हुए 20 सांसदों को लेकर भी राजनीतिक हलचल तेज है। इन सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफइंडिया में जाने की घोषणा की थी।

विरोध पर महिला बाइकर को कार से टक्कर, आरोपी हिरासत में

गुरुग्राम

गोल्फकोर्स रोड पर महिला बाइकर शिवानी चौहान उर्फ सिया को कार से टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने आरोपी कल्याण बैंसला और उसके चचेरे भाई लवनीश को गिरफ्तार किया है। अदालत ने दोनों को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस घटना का क्रम समझने के लिए घटनास्थल पर पूरी स्थिति को दोबारा तैयार कर जांच कर रही है।शिवानी के मुताबिक, वह करीब 20-25 बाइक सवारों के समूह के साथ गोल्फकोर्स रोड पर जा रही थीं। इसी दौरान एक कार चालक ने समूह को पीछे छोड़ते हुए आगे निकलकर अचानक गति कम कर दी। शिवानी का आरोप है कि चालक ने पहले उनकी ओर इशारा किया और बाद में आपत्तिजनक इशारे करते हुए बाइक रोकने की कोशिश की। विरोध करने पर कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और चालक मौके से निकल गया। टक्कर के बाद शिवानी सड़क पर गिर गईं और उन्हें कई जगह चोटें आईं।

परिजनों के अनुसार, सुरक्षा उपकरण पहने होने के बावजूद उनके घुटने में सूजन, पीठ और गर्दन की मांसपेशियों में खिंचाव तथा हाथों और हथेलियों पर खरोंच आई है। घटना के बाद शिवानी ने कहा कि वह अब भी मानसिक सदमे से उबरने की कोशिश कर रही हैं। मामले का वीडियो सामने आने के बाद घटना चर्चा में आई थी। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास समेत अन्य गंभीर धाराएं जोड़ी हैं। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटना की जांच की जा रही है। शिवानी ने न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना बयान भी दर्ज कराया है।

नल-जल सप्लाई की मोटर चोरी, सरपंच ने की 51 हजार रुपए की घोषणा

कुप से मोटर चोरी के बाद पुलिस मौके पर पहुची।

माही की गूंज, खवासा।

क्षेत्र में इस समय खेतो से कृषी यंत्र ,केबल, मोटर, पाईप की चोरी होना आम सी बात हो गई। वही पुलिस इन होने वाली चोरियो में ध्यान केंद्रीत नही करती है उसी का नतीजा यह है कि, क्षेत्र में यह चोरिया आम सी बात हो गई है। ऐसे में चोट्टे क्षेत्र में अब पंचायत की पानी सप्लाई करने वाली मोटरो, केबल व पाईप की चोरी करने में भी कोई चुक नही कर रहे है।

क्षेत्र की ग्राम पंचायत सेमलिया (नारेला) में नल-जल योजना के तहत ग्राम में पानी की सप्लाई करने वाली मोटर को 14 सितंबर की रात तालाब के नीचे स्थित पंचायती कुएं से चोरी होने का मामला सामने आया।

15 सितंबर की सुबह सरपंच कुएं पर पहुंचे, जहां निरीक्षण करने पर कुएं में लगी पानी की मोटर गायब मिली। इसके बाद सरपंच ने ग्रामीणों के साथ खवासा पुलिस चौकी पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच की और मामले में कायमी दर्ज कर जांच शुरू की।

इनाम की घोषणा

मामले को लेकर सरपंच की ओर से कहा गया कि, मोटर चोरी के संबंध में गोपनीय जानकारी देने वाले व्यक्ति को 51 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि, यदि किसी व्यक्ति से गलती हुई है और मोटर उसके पास है तो वह उसे वापस रख दे।

उचित कार्रवाई की मांग

मोटर चोरी होने से नल-जल योजना के तहत गांव में होने वाली पानी की सप्लाई प्रभावित होने की आशंका है। ग्रामीणों ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच कर चोरी गई मोटर बरामद करने और दोषी के खिलाफउचित कार्रवाई करने की मांग की है।

पुलिस द्वारा घटनास्थल की जांच के बाद अब चोरी की घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

भागवत कथा का आनंद लेते श्रद्धालु

माही की गूंज भामल।

क्षत्रिय राजपूत समाज भामल के तत्वाधान में भामल मे राम मंदिर पर संगीत मय भागवत कथा का आनंद ले रहै है। कथा का वाचन बामनिया के प. भगवती प्रसाद अग्निहोत्री द्वारा किया जा रहा है। कथा के छठे दिन प्रसंग की व्याख्या करते हुए कहा कि, कृष्ण, लीला पुरुषोत्तम है और राम, मर्यादा पुरुषोत्तम है। श्री राम ने जो हमको मार्ग दिखाया है उस मार्ग पर हमको चलना चाहिए। भाई-भाई में प्रेम हो तो कलयुग में भी श्री राम राज्य की स्थापना की जा सकती है। का वर्णन दिया गया तथा कथा में समस्त समाजजन कथा का लाभ ले रहे है।

विद्युत चोरी की प्रमाणित सूचना देने पर प्रोत्साहन

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा विद्युत चोरी एवं विद्युत के अनधिकृत अथवा अनियमित उपयोग पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। नागरिक विद्युत चोरी एवं अन्य अनियमितताओं की सूचना दर्ज करा सकते हैं। प्रमाणित सूचना देने वाले नागरिकों को नियमानुसार प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी।

विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन यंत्री सुखदेव मण्डलोई ने बताया कि, विभिन्न प्रकार की अनियमितताओं के लिए अलग-अलग प्रोत्साहन राशि निर्धारित की गई है। गैर घरेलू श्रेणी में भार वृद्धि की सूचना पर 100 रुपए प्रति किलोवाट, कृषि श्रेणी में भार वृद्धि पर 100 रुपए प्रति हॉर्सपावर, स्वीकृत श्रेणी से अन्य श्रेणी में विद्युत उपयोग पर 500 रुपए प्रति सूचना। स्वीकृत परिसर के अतिरिक्त अन्य परिसर में विद्युत उपयोग, मीटर से छेड़छाड़ अथवा बायपास, विच्छेदित कनेक्शन से अनधिकृत उपयोग, विद्युत चोरी, हुकिंग अथवा अवैध कनेक्शन की सूचना पर 500-500 रुपए प्रति सूचना तथा गलत मीटर रीडिंग की सूचना पर 100 रुपए प्रति सूचना प्रोत्साहन राशि दि जाएगी। श्री मण्डलोई ने बताया कि प्रोत्साहन राशि केवल उन प्रकरणों में देय होगी, जिनमें आकलित राशि 10 हजार रुपए या उससे अधिक होगी।

आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में सहभागी बनें- कलेक्टर

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने जिले के समस्त नागरिकों से 17 सितम्बर को शाम 7 बजे पॉलिटेक्निक कॉलेज, किशनपुरी, झाबुआ में आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की है।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम जनभागीदारी के साथ आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने जिले के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, युवाओं, व्यापारियों तथा माताओं-बहनों से कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर एक दीप प्रज्ज्वलित कर अभियान में सहभागी बनने का आग्रह किया है। कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि ÷एक छोटा-सा दीप सेवा, सहयोग और सकारात्मक परिवर्तन की भावना का प्रतीक बन सकता है। जिले का प्रत्येक नागरिक अपनी सहभागिता से इस सामूहिक संकल्प को और व्यापक बनाए।

टुटे-फूटे पाइपों तथा बगैर टोंटियों के नलों से बहता अमूल्य पानी

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जिला इन दिनों अल्प वर्षा के कारण सूखे की स्थिति में जाता दिखाई दे रहा है। गर्मियों के दिनों में जिन निजी नलकूपों में या तो जल स्तर नीचे पाताल में चला गया था या वे सूख गए थे। वे इस बारिश के मौसम में भी पानी नहीं दे पा रहे हैं जिससे भविष्य में जल संकट और गहराने के कयास लगाए जा रहे हैं।

ऐसी स्थिति बनती देख कर भी निजी नलकूपों तथा सार्वजनिक नलों, जल प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं को कोई असर पड़ता नजर नहीं आ रहा हैं। टूटे-फूटे पाइपों तथा घरों के अंदर-बाहर लगे नलों से जल प्रदाय के समय व्यर्थ में अनमोल जल बहता देखा जा सकता है। पंचायत द्वारा अभी हाल ही में मोहल्ला जल समितियों का गठन तो कर दिया गया है मगर अभी तक सूची सार्वजनिक नहीं होने से समितियों द्वारा निगरानी आदि के कार्य नहीं हो रहें हैं।

देखा जा रहा है कि, अनेक परिवारों द्वारा निजी या सरकारी नलों के पानी को बेकार बहनें से रोका नहीं जा रहा है। साथ ही जल वितरण की प्रमुख पाइप अनेक स्थानों पर टूटी-फूटी पड़ी होने से भी पानी का अपव्यय होता है। कुछ कमी थी तो विद्युतिकरण के नवीन कार्य हेतु गाड़े जा रहे खम्भे लगाने वाले ठेकेदार ने पूरी कर दी और वार्ड नंबर तीन में जल प्रदाय की पाइप लाइन पर ही खम्भा गाड़ दिया। जिस कारण इस वार्ड के अनेक उपभोक्ताओं को जल प्राप्त नहीं हो रहा तथा पानी सड़क पर बह रहा है।

विगत दिनों एक खम्भा पाइपलाइन के ऊपर खड़ा कर दिया गया है जिससे पाइप लाइन फटने से पानी बह रहा है जिसे ठेकेदार के द्वारा तत्काल ठीक कराया जाना चाहिए तथा दंडित भी करना चाहिए।

विशाल माहेश्वरी
वार्ड मेंबर एवं जल समिति सदस्य आम्बुआ।

ब्लास्ट की 11वीं बरसी पर दिनभर चला श्रद्धांजलि देने का दौर, मृतकों को किया याद

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद के काले दिन 12 सितंबर 2015 की 11वीं बरसी पर दिनभर श्रद्धांजलि अर्पित करने का दौर चला। नगर के श्रद्धांजलि चौक पर सुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा।

उल्लेखनीय है कि, 12 सितंबर 2015 को सुबह 8 बजकर 25 मिनट पर थांदला रोड स्थित श्रद्धांजलि चौक पर राजेंद्र कासवा की दुकान में हुए भीषण ब्लास्ट में 79 लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। इस हादसे ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। 12 सितंबर उसी दर्दनाक हादसे की 11वीं बरसी पर श्रद्धांजलि चौक पर किसान कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में जीवन ठाकुर, नाना गोयल, बबलू राठौड़, गौरव जानी, चंदू राठौड़, जगदीश जानी देवेंद्र सोलकी, गोपाल परमार सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और मोमबत्तियां जलाकर उन्हें नमन किया।

जीवन ठाकुर ने कहा कि, यह हादसा

पेटलावद के इतिहास का सबसे दर्दनाक हादसा था। ब्लास्ट में मारे गए लोगों के प्रति गहरी सहानुभूति है और उनके परिवारों के साथ कांग्रेस पार्टी हमेशा खड़ी है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे। कार्यक्रम के दौरान 2 मिनट का मौन रखकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

नेता नगरी भूली हादसे को

कोई बड़ा नेता इस बार श्रद्धांजलि चौक पर दिखाई नहीं दिया, गतवर्ष मुख्यमंत्री मोहन यादव की भी सभा पेटलावद में थी। लेकिन मुख्यमंत्री मंच से अपने भाषण के अंत में केवल दो शब्द कह पाए वो भी अंतिम समय में इसकी जानकारी मंत्री भूरिया ने उनको दी जिसके बाद। लेकिन वे श्रद्धांजलि चौक तक मृतकों को श्रद्धाजलि तक देने नहीं गए थे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों में से भी इक्का-दुक्का लोग पहुंच कर श्रद्धांजलि देते नजर आए। हादसे के 11 साल बाद आज भी पीड़ित परिवार अपने को खोने के दर्द को महसूस करते है ओर कई लोग आज भी सरकारी घोषणाओं को लेकर सरकार पर आरोप लगाते हुए न्याय की मांग करते है।

सभी आरोपी दोष मुक्त

पूरे मामले में मुख्य आरोपी राजेंद्र कासवा को मृत मान लिया गया ओर बाकी सभी आरोपियों को न्यायालय ने दोष मुक्त कर दिया। 79 लोगो की मौत का कोई जिम्मेदार न्यायालय को नहीं मिला ओर मुख्य आरोपी को लेकर आज भी तरह-तरह की बाते होती है। पूरे प्रकरण में पुलिस ओर सरकार की बड़ी लापरवाही सामने आई ओर न्यायालय में कमजोर पक्ष के चलते आरोपी बरी हो गए।

अंडर रेलवेब्रिज: पानी निकासी नहीं होने से भरा पानी, आवागमन में परेशानी

माही की गूंज, खवासा/बामनिया।

रतलाम रेल खंड के अंतर्गत आने वाली अमरगढ़ रेलवे स्टेशन के पास एक अंडर रेलवेब्रिज बनाया गया है। उक्त अंडर रेलवेब्रिज से होकर थांदला एवं पेटलावद दो ब्लॉक क्षेत्र के लोगों की आवाजाही के लिए यह सुलभ मार्ग है। यहां तक की आस-पास दोनों ब्लॉक के कृषकों की जमीन भी ब्रिज के दोनों साइड के क्षेत्र में है। ऐसे में कृषकों को भी अपने कृषि यंत्र के साथ आना-जाना इस अंडरब्रिज से होकर ही आना-जाना पड़ता है।

वही इस वर्ष मानसूनी बारिश कम होने के बावजूद भी उक्त अंडरब्रिज में पानी की निकासी नहीं होने के चलते पानी भर गया। जिसके चलते उक्त अंडरब्रिज से होकर आवाजाही में बड़ी परेशानियो का सामना दोनों ब्लॉक के समीपस्थ ग्रामवासियो को करना पड़ रहा है। इस संबंध में रतनाली के युवा मोरसिंह अमलियार ने बताया कि, उक्त रेलवे अंडरब्रिज का निर्माण तो कर दिया और वह लोगों के लिए सही भी है। लेकिन उक्त रेलवे अंडरब्रिज बनाते समय रेलवे विभाग ने बारिश में पानी निकासी के लिए किसी मापदंड को अमल में नहीं लिया। नतीजन यह रहा कि, इस वर्ष कम बारिश के चलते भी उक्त रेलवे अंडरब्रिज में पानी भर गया और यहा से आने-जाने वाले कृषकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अगर बारिश ज्यादा होती है तो यह परेशानी और ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसे में मोरसिंह अमलियार एवं ग्रामीणों ने मांग की है कि, रेलवे विभाग पानी निकासी के मापदंड को देख पानी निकासी की जाए। ताकि इस अंडरब्रिज में पानी का भराव ना हो, और लोगों को आने-जाने में होने वाली परेशानियों से निजात मिल सके।

कम बारिश के बाद भी रेलवे अंडरब्रिज में पानी की निकासी नही होने से इस तरह से भरा है पानी जो परेशानी का है कारण।

आगामी रबी की फसल में सिंचाई हेतु तैयारी लेकिन समस्या अल्प वर्षा की

माही की गूंज, आम्बुआ।

क्षेत्र में इस वर्ष बारिश की स्थिति बहुत ही खराब बनी हुई है। अभी तक क्षेत्र में अल्प वर्षा के कारण सूखे जैसी स्थिति देखी जा सकती है। क्षेत्र के किसानों तथा सत्ता पक्ष एवं विपक्ष सभी ने एक स्वर में क्षेत्र को सूखा प्रभावित घोषित करने की मांग की है। कम बारिश के कारण आगामी दिनों में बोई जाने वाली रबी की फसल पर अभी से संसय के बादल मंडरा रहे हैं।

वर्तमान में खेतों में खड़ी खरीफ की फसलें अपनी शाख बचाने की जद्दोजहद करती नजर आ रही है। इसके पहले कि इनका अस्तित्व समाप्त हो जाता इंद्र देवता ने सुन ली तथा सीमित मात्रा में दो दिनों तक रुक-रुक कर बारिश कर दी जिससे फसलों को कुछ राहत मिली है। आगामी फसलों की स्थिति क्या होगी यह कहना मुश्किल है। लेकिन आशावादी व्यापारियों ने अपनी आश नहीं छोड़ी है और उन्होंने रवी की फसलों की सिंचाई हेतु विद्युत पंपों, पाइपों तथा अन्य सिंचाई संबंधित सामग्रियों को एकत्र करना प्रारंभ कर दिया ह। यह एक तरह से व्यापारिक जुआ कहा जा सकता है। यदि भादौं माह में बारिश हो जाती है तथा नदी नालों एवं कुओं आदि में जल स्तर बढ़ेगा तो आगामी फसलों को फायदा होगा। तथा सिंचाई के साधनों की बिक्री भी होगी, वरना एकत्र सामग्री पड़ी रह सकतीं हैं।

प्रतिबंधित कीटनाशक मोनोक्रोटोफॉस बिक रही धड़ल्ले से

माही की गूंज ने किया था पर्दाफाश जिसके बाद भी मोनोक्रोटोफॉस बिकने का आया मामला सामने, किसी पत्रकार को भी खरीदने का किया प्रयास

माही की गूंज, खवासा।

कीटनाशक दवाई में मोनोक्रोटोफॉस दवाई हर किसी की जुबा पर इसका नाम याद है। यहां तक की जो किसान नहीं है उसे भी अन्य किसी कीटनाशक दवाई का नाम याद ना हो पर मोनोक्रोटोफॉस दवाई का नाम उसे भी मालूम है। खासकर झाबुआ जिले की बात करें तो इस जिले में उक्त कीटनाशक मोनोक्रोटोफॉस दवाई का उपयोग कपास की फसल में कीड़े, मच्छर एवं अन्य जाति के कोई भी जीव-जंतु कपास की फसल में हो तो मोनोक्रोटोफॉस के छिड़काव से त्वरित फसल को राहत व जीव-जंतुओं का सफाया हो जाता है। जिसका कारण इसका अत्यधिक जहरीला होना भी है।

वहीं जिले में पूर्व में कीटनाशक दवाई पीकर आत्महत्या के मामले जो भी सामने आते थे उस आत्महत्या करने वाले व्यक्ति ने भी इस मोनोक्रोटोफॉस दवाई का उपयोग करना ही सामने आता रहा है। क्योंकि यह इतना अत्यधिक जहरीला कीटनाशक पदार्थ था कि, इसे पीने वाले व्यक्ति को बचा पाना डॉक्टरो के लिये भी नामुमकिन था। वही उक्त मोनोक्रोटोफॉस का कपास की फसल पर छिड़काव करने के बाद जिन भी पशु का खेत में आवागमन होता था उन पशुओं पर भी गहरा आघात पहुंचता था। इसलिए विश्व के कई देशों ने उक्त मोनोक्रोटोफॉस को प्रतिबंधित पहले ही कर दिया था। वहीं भारत में भी इसे अक्टूबर 2023 से पूर्व के बचे स्टॉक को अक्टूबर 2024 के पूर्व तक बिक्रत कर पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। जिसका खुलासा भी माही की गूंज ने 3 सितंबर 2026 के अंक में ''केंद्र सरकार तक तमाचाः प्रतिबंधित कीटनाशक मोनोक्रोटोफॉस का हो रहा उत्पादन और बिक रहा बाजार में'' के शीर्षक के साथ किया था। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किसान के पास से प्रतिबंधित मोनोक्रोटोफॉस की जप्ती के मामले के बाद उक्त मामला प्रकाश में आया था। एवं किस दुकान से किसान ने खरीदी, कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा मिली जानकारी पर मामले का खुलासा किया था। लेकिन माही की गूंज के उक्त खुलासे के बाद सामने आ रहा है कि, यह प्रतिबंधित कीटनाशक नकली एवं फर्जी कंपनियों से अलग-अलग नाम से बनी मोनोक्रोटोफॉस खवासा ही नहीं बल्कि पूरे जिले में अमूमन कीटनाशक दवाई विक्रेताओं की 90 प्रतिशत दुकानों पर उक्त दवाई साढे 3 सौ से 4 सौ में खरीद कर 7 सौ से 8 सौ

माही की गूंज 3 सितम्बर 2026 के अंक में प्रतिबंधित मोनोक्रोटोफॉस कीटनाशक बिक्री के खुलासे के बाद भी कृषी विभाग के रहमो करम से खवासा सहित जिले में बिक रही प्रतिबंधित यह कीटनाशक दवाई।

रूपए में वर्तमान में उत्पादन प्रिंट वाली एक-एक लीटर की बाटले धड़ल्ले से बाजारों में बिक रही है।

अब भी ग्रामिण कृषको की मांग

यह सही है कि, उक्त दवाई झाबुआ जिले के ठेठ ग्रामीण अंचलों तक प्रचलित है और कीटनाशक विक्रेताओं के यहां ग्रामीण कृषक दुकानों पर जाकर इसी मोनोक्रोटोफॉस की मांग करते हैं। और जो व्यापारी इस मोनोक्रोटोफॉस को बंद होना बताता है तो ग्रामीण कृषक भी उसी मोनोक्रोटो को देने की बात कहता है व अपने मोबाइल में अन्य जगह से ली गई बाटलो के फोटो बताता है कि, यह वाली बोटल दो। माही की गूंज का प्रतिनिधि मंगलवार को एक पुरानी बामनिया की कीटनाशक दवाई की दुकान पर करीब 1 घंटे तक बैठा तो उस दौरान भी सामने आया कि, लगभग 8 से 10 ग्राहकों में करीब आधे ग्राहकों ने मोनोक्रोटोफॉस की ही मांग की। तथा एक ग्राहक ने तो पेटलावद से यह दवाई कुछ दिन पूर्व लाया हूं उसका मोबाइल में बॉटल का फोटो भी बताया, जिसे हमने भी देखा। जिसपर 2026 में उत्पादन होकर 2028 की वैधता अंकित थी। ग्रामीण कृषक से जब उक्त फोटो हमने मांगा तथा दुकान का नाम पूछा जहां से लाया था तो वह ग्रामीण कृषक बिना फोटो दिए ही में नहीं मेरा भाई लाया था कहकर चलता बना।

जिस दुकान पर हम बैठे थे उस व्यापारी ने हमें बताया कि, मैं किसी प्रकार की प्रतिबंधित कीटनाशक दवाई नहीं बेचतता हूं। और कौन, कहां से प्रतिबंधित कीटनाशक दवाई लाकर बेचता है यह भी नहीं मालूम।

एक अन्य कीटनाशक दवाई के व्यापारी से हमने जब जानकारी ली तो बताया कि, यह सही है कि, मोनोक्रोटोफॉस प्रतिबंधित होने के बाद भी झाबुआ जिले में धड़ल्ले से बिक रही है। उक्त दवाई जिले में रतलाम और इंदौर से ही विक्रेताओ से आ जाती है। जिले के प्रत्येक गांव में यह किसी न किसी दुकान पर बिकती मिल जाएगी। स्थानीय किसी भी व्यक्ति को यह दवाई, व्यापारी नहीं देता है। अगर कोई बाहर का होना बताता है तो उसे यह दवाई 7 सौ से 8 सौ रूपए में दे दी जाती है।

कल्याणपुरा, झाबुआ व राणापुर जैसे गांव में कुछ व्यापारी ऐसे हैं जो अब भी उक्त प्रतिबंधित मोनोक्रोटोफॉस को ग्रामीण कृषकों को धड़ल्ले से बेच रहे हैं। बल्कि जिले के छोटे-बड़े व्यापारियों को भी उक्त मोनोक्रोटोफॉस उपलब्ध करवा देते हैं।

खुलासे के बाद रफा-दफा की प्रतिबंधित कीटनाशक दवाई जो बाद में फिर बिकना हुई शुरू

3 सितंबर माही की गूंज में प्रकाशित समाचार के बाद यह भी मामला सामने आ रहा है कि, ग्राम के रोग्या देवी मंदिर के पीछे संचालित ओमकार एग्री केयर दुकान पर बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित मोनोक्रोटोफॉस दवाई रखी थी ऐसा बताया जा रहा है। जैसे ही माही की गूंज में समाचार प्रकाशित हुआ दुकानदार का मामा कोई लोकेश चौहान है बताया जा रहा है जो अपनी स्कूटी लेकर आया और एक से अधिक बार प्रतिबंधित कीटनाशक की बाटले स्कूटी में आगे रख थेले में भर-भरकर ले गया और उसके मकान पर ले जाकर रखी गई।

जानकारी बताने वाले ने यहां तक दावा किया कि, अगर कृषि विभाग के अधिकारी इसकी पुष्टि करना चाहे तो 3 सितंबर के दिन के ओमकार दुकान से लेकर उसके घर तक के बीच में लगे सीसी कैमरो की जांच कर ले तो सारा माजरा पूरी पुष्टि के साथ सामने आ जाएगा। वहीं 3 सितंबर के एक सप्ताह बाद मोनोक्रोटोफॉस वाले मामले को कृषि विभाग ने पूरे ठंडे बस्ते में डाल दिया। जिसके बाद पुनः उक्त ओमकार दुकान से धड़ल्ले से प्रतिबंधित मोनोक्रोटोफॉस की 1-1 लीटर वाली बॉटल बिकने लगी। वहीं जब एक ग्रामीण कृषक 7 सौ रूपए में प्रतिबंधित मोनोक्रोटोफॉस खरीदकर लाया जिसकी भनक किसी एक पत्रकार को लग गई। तो यह मामला पुनः माही की गूंज तक नहीं पहुंच जाए कि, नियत के साथ उस पत्रकार को मामा लोकेश चौहान ने 3 से 5 हजार रूपए तक देकर खरीदने का प्रयास किया।

वही बताते है, जो ग्रामीण कृषक एक लीटर वाली प्रतिबंधित कीटनाशक बाटल लेकर आया था उसे भी एक हजार एक्स्ट्रा देकर मामले को किसी को नहीं बताने की बात कही। लेकिन कहते हैं चोर-चोर सभी मिलकर मौसेरे भाई बन जाए लेकिन हकीकत तो सामने एक न एक दिन आ ही जाती है। नतीजन उक्त मामले की कहानी किसी लोकेश से लेकर उस बिकाऊ पत्रकार तक के बीच में जो भी अन्य लोग थे उक्त पूरे मामले की कहानी किसी न किसी को कहते गए और यह पूरा मामला माही की गूंज के सामने पूरी हकीकत के साथ आ गई।

बात यह कि, यह प्रतिबंधित व अत्याधिक जहरीली मोनोक्रोटोफॉस अगर खवासा सहित पूरे जिले में बिक रही है तो व्यापारी से ज्यादा संबंधित विभाग के अधिकारी भी जिम्मेदार है। क्योंकि यह प्रतिबंधित, नकली व चोर बाजार की कीटनाशक अगर अवैध रूप से बिक रही है तो कहीं न कहीं जिले के कृषी विभाग तक इस कमाई का हिस्सा पहुंचता ही होगा इसीलिए बाजार में बिक रही है यह तय है।

अब आगे देखना है कि, माही की गूंज के फिर हुए उक्त खुलासे के बाद जिले में उक्त प्रतिबंधित कीटनाशक मोनोक्रोटोफॉस बिकती है या फिर बिकने पर कृषि विभाग की कोई सख्त कार्रवाई होती है...? यह तो बाद में ही पता चलेगा। लेकिन इस पर माही की गूंज की पैनी नजर पूरी रहेगी।

वीर शिरोमणि की प्रतिमा स्थापना के लिए हुआ भूमि पूजन

माही की गूंज, पेटलावद।

वीर शिरोमणि हिंदुआ सूरज महाराणा प्रताप की वीरता, शौर्य और स्वाभिमान की गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से पेटलावद में उनकी प्रतिमा स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई है। सोमवार को नए बस स्टैंड क्षेत्र में नगर परिषद द्वारा प्रस्तावित भूमि पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापना हेतु विधि-विधान के साथ भूमि पूजन किया गया।

भूमि पूजन को लेकर समाजजनों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि एवं समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में करणी सेना परिवार के संभाग अध्यक्ष महेंद्र सिंह

झकनावदा उपस्थित रहे। उनकी अगुवाई में भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। सभी ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापना के लिए प्रस्तावित स्थल पर भूमि पूजन कर प्रतिमा स्थापना के संकल्प को आगे बढ़ाया।

बनी आगामी रूपरेखा

भूमि पूजन से पूर्वआगामी तैयारियों को लेकर बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में प्रतिमा स्थापना से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार की गई। समाजजनों ने कहा कि, महाराणा प्रताप केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति के प्रतीक हैं। ऐसे महान योद्धा की प्रतिमा नगर में स्थापित होना गौरव की बात है। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि भूमि पूजन के बाद अब प्रतिमा स्थापना की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। आगामी दिनों में आवश्यक तैयारियां पूरी कर नए बस स्टैंड क्षेत्र में महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इस अवसर पर नगर व क्षेत्र के राजपूत समाज ओर जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिला मंत्री का किया स्वागत

माही की गूंज, करवड़।

किसान मोर्चा के जिला मंत्री परमानंद पाटीदार का ग्राम करवड़ में प्रथम आगमन पर मंडल उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह राठौड़ गंगाखेडी के द्वारा स्वागत किया गया। जिसमें भाजपा कार्यकर्ता पिछड़ा मोर्चा सारंगी मंडल अध्यक्ष बद्रीलाल भालोद, भाजपा मंडल सारंगी कोषाध्यक्ष राजेश पाटीदार, सारंगी मंडल पूर्व महामंत्री भंवर सिंह गेहलोत सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

दस साल बाद भी नियमितीकरण का इंतजार, स्थाई कर्मियों ने तय की आगे की रणनीति

माही की गूंज, पेटलावद।

स्थाई कर्मी कल्याण संघ, तहसील पेटलावद की बैठक मंडी प्रांगण में आयोजित हुई। बैठक में तहसील क्षेत्र के विभिन्न विभागों में कार्यरत स्थाई कर्मी कर्मचारी शामिल हुए। बैठक में कर्मचारियों को विनियमित से नियमित किए जाने की मांग को लेकर आगामी रणनीति और संगठन की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में संगठन को तहसील स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें रामलाल पुरोहित को परामर्शदाता एवं सलाहकार, राजेंद्र सिंह गामड़ को अध्यक्ष, ओमप्रकाश कौरव को उपाध्यक्ष, कांतिलाल बावलचा को सचिव, वैभव राठौड़ को कोषाध्यक्ष तथा मोहम्मद रिजवान को मीडिया प्रभारी एवं विशेष सहायक का दायित्व सौंपा गया। सदस्यों

की सर्वसम्मति से पुनः दायित्व सौंपा गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि स्थाई कर्मियों के हितों से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से शासन के समक्ष रखने के लिए संगठन की एकजुटता और सक्रिय सहभागिता जरूरी है। बैठक के समापन पर भूरालाल गरुड़ा एवं बापूसिंह भूरिया ने बैठक में उपस्थित सभी स्थाई कर्मी साथियों का आभार व्यक्त किया।

बहुउददेशीय प्राथमिक कृषि, साख सहकारी सोसायटी मर्या. (बी. पेक्स) बरवेट ऐजेण्डो

क्रमांक/2026-27/1/सा.सभा — दिनांक 10/09/2026

वार्षिक साधारण आम सभा

मान्यवर महोदय ,

बहुउददेशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी मर्या. (बी. पेक्स) बरवेट शाखा-सारंगी के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि, संस्था की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 24/09/2026 वार गुरुवार को दिन के 12:00 बजे संस्था कार्यालय भवन बरवेट में आयोजित की जावेगी। अतः नियत दिन व समय पर उपस्थित होने का कष्ट करे।

उपरोक्त दिनांक 24/09/2026 को यदि नियत समय पर साधारण सभा के लियें गणपूर्ति नहीं हुई तो साधारण सभा स्थगित की जाकर उसी दिन व समय पर नियत समय के आंधे घंटे पश्चात वार्षिक साधारण सभा की कार्यवाही उपस्थित सदस्यों द्वारा संपन्न की जावेगी। जिसमें गण पूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

प्रबंधक
बहुउददेशीय प्रा. कृषि,साख
सहकारी सोसायटी मर्या. बरवेट

विषय सूची

1. वर्ष 2025-26 के वार्षिक पत्रक को स्वीकृत व पुष्टि करने बाबद।
2. वर्ष 2024-25 एंव 2025-26 के आडिट नोट की तामिली प्रतिवेदन की पुष्टि करना।
3. गत आमसभा की पुष्टि करने बाबद।
4. प्रबंधकारिणी की मिटिंग की पुष्टि करने बाबद।
5. संस्था का आगामी वर्ष 2026-27 के लिये अनुमानित बजट स्वीकृत करना।
6. वर्ष 2025-26 के स्वीकृत बजट से अधिक हुई व्ययों की पुष्टि करना।
7. संस्था की अधिकतम ऋण सीमा निर्धारण करने बाबद।
8. अन्य विषय प्रशासन महोदय की आज्ञा से।

प्रबंधक
बहुउददेशीय प्रा. कृषि, साख
सहकारी सोसायटी मर्या. बरवेट

संपादकीय

समाज-सरकार की ईमानदार पहल से अंकुश

हमारे समाज में भ्रष्टाचार का वायरस व्यवस्था की रगों में किस कदर घर कर चुका है उसकी बानगी पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों की हरकत से उजागर हुई। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल होता दिखाए जिसमें पार्षद राउंड टेबल के चारों ओर खड़े होकर शपथ लेते नजर आए कि वे भ्रष्टाचार की कमाई के बंटवारे में ईमानदारी दिखाएंगे। इस घटना के बाद खासा बवाल मचा कि कैसे भ्रष्टाचार की कमाई के लिए भी बाकायदा सिंडिकेट रूप में काम किया जा रहा है। यह वाकया हमारे समाज में व्यवस्था की सड़न को तो दर्शाता ही हैए साथ ही भ्रष्टाचारियों के दुस्साहस को भी सामने लाता है। यह घटना हमारी लोकतंत्र की छोटी इकाई में चुने गए नुमाइंदों के चरित्रए सोच और इरादों को तो दर्शाती हैए समाज में जीवन मूल्यों के पराभव के बिंब भी उकेरती है। समाज को यह भी संदेश देती है कि हम छोटे.छोटे लालचों के लिये कैसे पार्षद चुनते हैं। जातिए धर्म व क्षेत्र तथा संकुचित आकांक्षाओं के लिये घटिया प्रतिनिधियों को स्थानीय निकायों में अपने हितों पर कुठाराघात के लिये चुनते हैं। यह तो भविष्य बताएगा कि आने वाले समय में इन पार्षदों के खिलाफ पार्टी विशेष की तरफ से क्या कार्रवाई होती हैए लेकिन यह घटना भारतीय समाज में घर करते भ्रष्टाचार की एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को जरूर उजागर कर गयी। जब देश आजाद हुआ तो राजस्थान में एक विधायक ऐसा चुना गयाए जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण में शामिल होने का बस किराया भी नहीं था। बाद में लोगों ने चंदा एकत्र करके उस विधायक को जयपुर भेजा था। आज हमारी जनप्रतिनिधि संस्थाओं में सैकड़ों करोड़पति.अरबपति जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति समाज में आर्थिक विषमता की तसवीर उकेरती है। गाहे.बगाहे सामने आने वाले आंकड़े बताते हैं कि विधायक व सांसद बनने के बाद उनकी आय दिन दोगुनी.रात चौगुनी गति से बढ़ती है। अगले चुनाव में वे अपनी संपत्ति का जो दिखाई दे सकने वाला ब्योरा जारी करते हैंए उसमें यह समृद्धि स्पष्ट नजर आती है। निरूसंदेह हम जानते हैं कि हमारी व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार समाज को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। तमाम अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में भ्रष्टाचार की वैश्विक सूची में हमारी स्थिति शर्मसार करने वाली है। लेकिन भ्रष्टाचार को लेकर हमारी उदासीनता दुर्भाग्यपूर्ण हैए सरकारों के स्तर पर भी और समाज के भी। बहरहालए उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर की नगर परिषद के पार्षदों द्वारा हाथ में जल लेकर ऊपरी कमाई को ईमानदारी से बांटने की खबर परेशान करती है। यह घटना सवाल उठाती है कि नगर निगमों की जो बदहाली है उसके मूल में क्या यह निगम की आय की बंदरबांट ही हैघ् सवाल यह भी है कि जिस दल के ये पार्षद हैं उसने क्या ऊपरी कमाई के लिए शपथ मामले में कोई कार्रवाई कीघ् प्रश्न यह भी कि जिला प्रशासन ने इस मामले में कोई कार्रवाई क्यों नहीं कीघ् जैसे कि अक्सर ऐसे मामलों में कार्रवाई करने के बजाय सिर्फलीपापोती ही होती हैए इस मामले में भी ऐसा हुआ है। शीर्ष अधिकारी की दलील थी कि इस संदर्भ में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है। क्या समाज हित में स्वतरू संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं की जा सकतीघ् प्रश्न यह भी कि क्या कोई विपक्षी दल का नेता अपने राजनीतिक नफ.नुकसान के लिए मामला दर्ज कराएगा तभी ऐसे मामले में कार्रवाई होगीघ् बड़ा सवाल इस मामले में समाज की उदासीनता का भी हैघ् यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि समाज में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार ऐसे लोगों के साथ अन्याय होता है जिनका इसमें कोई कसूर नहीं होता। लेकिन उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। यह भी कि व्यक्ति भ्रष्टाचार के खिलाफतब आवाज उठाता है जब वह पीड़ित होता है। अन्यथा वह इसे नजरअंदाज कर देता है। बल्कि बहुत सारे लोग इसे सुविधा शुल्क के रूप में स्थापित करने की कुत्सित कोशिश भी करते हैं। जब तक भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रतिरोध के सुर प्रबल नहीं होते हमारे समाज में यह संकट बना रहेगा।

मानवता पर मंडराता छिपी भूख का संकट

मुकुल व्यास

भरपेट भोजन के बाद हम तृप्त हो जाते हैंए लेकिन एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारी थाली में पौष्टिक तत्व समुचित मात्रा में मौजूद हैंघ् दुनिया में आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा महत्वपूर्ण विटामिन और खनिज पदार्थों से वंचित है। हैरानी की बात यह है कि यह समस्या उन वजहों से बढ़ रही है जिनका लोगों की खाने.पीने की पसंद से कोई लेना.देना नहीं है। इसका जवाब उन फसलों में छिपा है जिन पर लगातार गर्म माहौल का असर पड़ रहा है। दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी में विटामिन बी2ए बी9ए सी और ई के साथ.साथ कैल्शियमए आयरन और आयोडीन जैसे खनिजों की कमी पाई गई है। यह कमी सिर्फगरीब देशों तक ही सीमित नहीं हैए बल्कि अमीर देशों में भी देखी जा सकती है। आहार विज्ञानी इसे छिपी हुई भूखष् कहते हैं और यह कैलोरी की कमी से नहींए बल्कि विटामिन और खनिजों की कमी से उपजती है।

दुनिया की मुख्य फसलों में पके हुए सफेद चावल से सबसे कम पोषक तत्व मिलते हैं। पौष्टिकता के मामले में यह मक्का और गेहूं दोनों से काफी पीछे है। यह एक गंभीर समस्या हैए क्योंकि अरबों लोगों के लिए रोजाना मिलने वाली कैलोरी का सबसे बड़ा स्रोत चावल ही है। एशिया के ज्यादातर हिस्सों में चावल की तीन पूरी थालियां खाने वाले व्यक्ति को जरूरी विटामिन और खनिज की सही मात्रा नहीं मिल पाती। चावल पेट तो भर देता हैए लेकिन पोषण की ऐसी कमी छोड़ जाता है जिसे सामान्य मात्रा में खाने से पूरा नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन अब इस बुरी स्थिति को और भी बदतर कर रहा है। जैसे.जैसे हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही हैए अनाज में जमा होने वाले प्रोटीनए बी ग्रुप के विटामिन और खनिजों की मात्रा कम होती जा रही है।

एक अनुमान है कि चावल की गुणवत्ता में आ रही इस गिरावट के कारण 2050 तक 23ण्9 करोड़ लोग फोलेट की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे उन 2ण्5 अरब लोगों में शामिल हो जाएंगे जिन्हें पहले से ही पर्याप्त फोलेट नहीं मिल रहा है। ध्यान रहे कि फोलेट एक ऐसा बी.विटामिन है जिसके बिना शरीर का काम नहीं चल सकता। एक नए अध्ययन में जर्मनी के लीबनज इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट बायोकेमिस्ट्री के शोधकर्ताओं ने पौधों को जीवित रखने वाली चीजों और लोगों को स्वस्थ रखने वाली चीजों के बीच एक हैरान करने वाली समानता पाई है। जिन विटामिनों पर हमारा शरीर निर्भर करता हैए वही विटामिन मुश्किल हालात में जीवित रहने के लिए पौधों के भी काम आते हैं। थायमिन ;विटामिन बी1द्ध से उपचारित फसलें उन फसलों के मुकाबले सूखे का बेहतर सामना करती हैं जिनमें यह नहीं होता। फोलिक एसिड और राइबोफ्लेविन पौधों को सूखे और खारी मिट्टी जैसी मुश्किल स्थितियों से निपटने में मदद करते हैं। ज्यादा पोषण वाली फसलें खराब मौसम का भी बेहतर ढंग से सामना कर सकती हैं। जलवायु परिवर्तन खाद्य आपूर्ति पर दोहरी मार करता है। यह उन फसलों से पोषक तत्व छीन लेता है जो खेतों में उगती हैं और ठीक उसी समय उन खेतों पर सूखाए गर्मी और बाढ़ का कहर भी बरपाता है।

पिछली सदी में पौधों के प्रजनकों ने बाकी चीजों के मुकाबले अधिक पैदावार पर ही सबसे ज्यादा ध्यान दिया। 1960 के दशक की हरित क्रांति ने ठीक यही कियाए जिससे पूरे एशिया में गेहूंए चावल और मक्के की पैदावार दोगुनी हो गई। पैदावार बढ़ने से एक अरब से ज्यादा लोगों को भुखमरी से बचाने में मदद मिली। फिर भीए मात्रा पर अधिक जोर दिए जाने से किसानों द्वारा उगाई जाने वाली फसलों का पोषण मूल्य कम हो गया। पारंपरिक क्रॉस.ब्रीडिंग से कुछ पोषक तत्वों की मात्रा थोड़ी बढ़ाई जा सकती हैए जैसा कि बीन्स और गेहूं की फसलों में आयरन और जिंक के मामले में हुआ है। लेकिन यह ऐसा विटामिन नहीं जोड़ सकती जिसे बनाने की क्षमता पौधे के जीन्स में कभी थी ही नहीं। यह तरीका इतना धीमा है कि निराशा होती है। एक बेहतर किस्म को किसान के खेत तक पहुंचने में 8 से 15 साल तक लग सकते हैं।

आनुवंशिक इंजीनियरिंग के नए टूल एक साथ कई पुरानी बाधाओं को तोड़ते हैं। वे क्रॉस.ब्रीडिंग की तुलना में बहुत तेजी से काम करते हैं और उनमें ऐसी सटीकता होती है जो क्रॉस.ब्रीडिंग में कभी नहीं मिल सकती। आनुवंशिक इंजीनियरिंग का सबसे मशहूर उत्पाद ष्गोल्डन राइसष् हैए जिसके दानों का रंग हल्का सुनहरा होता है क्योंकि उनमें प्रो.विटामिन ए होता है। इस फसल को एशिया के कुछ हिस्सों में विटामिन ए की कमी से बच्चों में होने वाले अंधेपन से लड़ने के लिए विकसित किया गया था। पौधों की पौष्टिकता बढ़ाने में क्रिस्पर जीन संपादन तकनीक उपयोगी हो सकती है। क्रिस्पर आधारित चावल की एक किस्म के दानों में पहले से ही अधिक आयरन और जिंक होता है। इस तरह से बनाई गई नई किस्म सिर्फ2 से 6 साल में तैयार हो सकती हैए जो पुराने तरीकों में लगने वाले समय का बहुत छोटा हिस्सा है।

लंबे समय तक कड़े नियमों ने इन तरीकों पर रोक लगाए रखी। यूरोप में यह रोक सबसे ज्यादा थी। आनुवंशिक रूप से संशोधित पौधे की खेती के लिए मंजूरी मिलने में आसानी से एक दशक से ज्यादा का समय लग सकता है। जूनए 2026 में यूरोपीय संसद ने नियमों का एक संशोधित सेट अपनायाए जिसके तहत कई जीन.संपादित फसलों के साथ वैसा ही व्यवहार किया जाता है जैसा पारंपरिक रूप से विकसित फसलों के साथ किया जाता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि नए टूल जैविक रूप से संवर्धित फसलों के विकास में तेजी लाने और छिपी हुई भूख से प्रभावी ढंग से निपटने का एक शानदार अवसर प्रदान करते हैं। उनका कहना है कि सिर्फएक तरीका काफी नहीं है। इनमें से कोई भी तरीका अकेले पोषक तत्वों की कमी को खत्म नहीं कर सकताए इसलिए नए अध्ययन में इन सभी तरीकों का इस्तेमाल करने की बात कही गई है। पारंपरिक ब्रीडिंग पर लोगों का भरोसा आज भी बना हुआ हैए जबकि जीन एडिटिंग से वह तेजी मिलती है जिसकी धीमी क्रॉस.ब्रीडिंग कभी उम्मीद भी नहीं कर सकती थी। जलवायु परिवर्तन से बदलती दुनिया में प्रजनकों को ऐसी फसलें विकसित करनी होंगी जो ज्यादा पोषक तत्वों से भरपूर हों और बदलते कठोर मौसम में भी मजबूती से टिकी रह सकें।

इंसानी नादानी से उपजी चुनौती और हमारा दायित्व

डॉ. शुशील द्विवेदी

पृथ्वी के समतापमंडल में मौजूद ओजोन परत सूर्य से आने वाले हानिकारक पराबैंगनी ;यूवीद्ध विकिरण का बड़ा हिस्सा सोखकर मनुष्यए पशु.पक्षियोंए वनस्पतियों और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को सुरक्षा प्रदान करती है। यह पृथ्वी का एक ऐसा अदृश्य सुरक्षा कवच है जिसकी मौजूदगी का अहसास हमें सामान्य दिनों में नहीं होताए लेकिन इसके कमजोर पड़ने का असर पूरी जैविक दुनिया के अस्तित्व पर पड़ सकता है। आसमान की ओर देखने पर नीला विस्तार दिखाई देता हैए लेकिन उस नीले आकाश के ऊपर मौजूद यह ढाल जीवन की कल्पना को संभव बनाती है।

इसीलिए 16 सितंबर केवल पर्यावरण से जुड़ी एक औपचारिक तारीख नहीं है। यह उस अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और राजनीतिक प्रयास की याद दिलाता हैए जिसने दुनिया को यह सिखाया कि यदि विज्ञान समय रहते खतरे की पहचान करे और सभी देश मिलकर कार्रवाई करेंए तो वैश्विक पर्यावरणीय संकट को पलटा भी जा सकता है। वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल अस्तित्व में आया और उसके बाद ओजोन.क्षयकारी पदार्थों के उत्पादन तथा उपभोग को चरणबद्ध तरीके से कम किया गया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस की थीम ष्लोबल एक्शन फॉर कूलर प्लेनेट्सष् यानी ठंडी और अधिक टिकाऊ पृथ्वी के लिए वैश्विक कार्रवाई रखी गई है। यह थीम मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के किगाली संशोधन के दस वर्ष पूरे होने से भी जुड़ी हैए जिसने हाइड्रोफ्लोरोकार्बन यानी एचसीएफसी और एचएफसी को चरणबद्ध रूप से कम करने और अधिक ऊर्जा.कुशल शीतलन व्यवस्था की दिशा में दुनिया को आगे बढ़ाया है।

यहां एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अंतर समझना जरूरी है कि हर ओजोन परत समान नहीं होती। समतापमंडल का ओजोन हमारा रक्षक हैए जबकि धरातल के पास बनने वाला ट्रोपोस्फेरिक ओजोन वायु प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण घटक है और मानव स्वास्थ्य तथा वनस्पतियों के लिए हानिकारक हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के दौर में बढ़ती गर्मीए जंगलों की आग और वायुमंडलीय रसायन इन दोनों स्तरों की जटिलताओं को और अधिक महत्वपूर्ण बना रहे हैं।

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कारण लगभग 99 प्रतिशत नियंत्रित ओजोन.क्षयकारी पदार्थों को चरणबद्ध किया जा चुका है और वैज्ञानिक आकलन लंबे समय से ओजोन परत के पुनरुद्धार की दिशा में प्रगति की पुष्टि करते रहे हैं। हालांकिए प्नेचर कम्यूनिकेशनष् में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं में ओजोन.क्षयकारी पदार्थों का फीडस्टॉक के रूप में उपयोग अपेक्षा से कहीं अधिक उत्सर्जन पैदा कर सकता है। यदि ये उत्सर्जन वर्तमान स्तरों पर जारी रहेए तो मध्य.अक्षांशों में ओजोन परत की रिकवरी लगभग 7 वर्ष तक पीछे खिसक सकती है।

इसके अलावाए वैज्ञानिकों ने पूर्वी एशिया में हैलॉन.2402 नामक शक्तिशाली ओजोन.क्षयकारी पदार्थ के उत्सर्जन में फिर से बढ़ोतरी के प्रमाण पाए हैं। अध्ययन के अनुसार 2008 से 2023 के बीच पूर्वी एशिया से इसके उत्सर्जन का संचयी अनुमान लगभग 52 गीगाग्राम सीएफसी.11 इक्विवेलेंट रहा और 2015 के बाद इस क्षेत्र के उत्सर्जन ने वैश्विक प्रवृत्ति को प्रभावित किया है।

अगस्त 2026 में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि वैज्ञानिकों ने उत्तर बंगाल की खाड़ी के ऊपर लगभग 21 से 23 किलोमीटर की ऊंचाई पर असामान्य रूप से अधिक ओजोन की एक मोटी परत देखी। यह संरचना पूर्वी भारत के लिए सामान्य मात्रा से काफी अधिक थी और एक दिन से ज्यादा समय तक बनी रही। भारतीय वैज्ञानिकों ने देशभर के वायुमंडलीय रडारए मौसम गुब्बारोंए उपग्रहों और वायुमंडलीय मॉडलों को एक साथ इस्तेमाल किया। नैनीताल स्थित आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज के स्वदेशी रडार सहित कई केंद्रों से मिले आंकड़ों ने वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद की कि वायुमंडल में ओजोन का परिवहन किस तरह होता है।

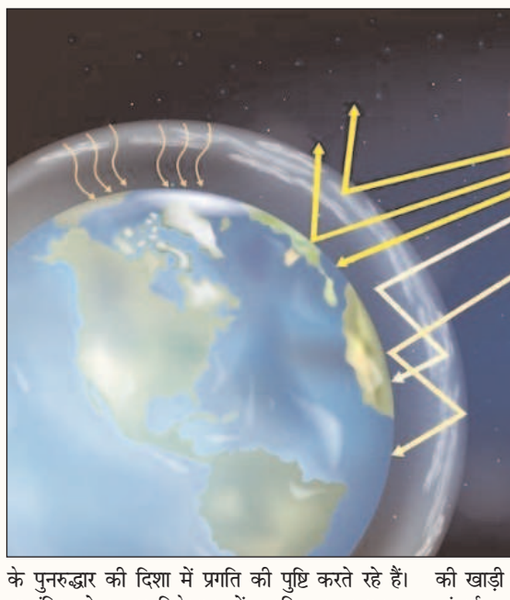

वैज्ञानिकों के अनुसार इस घटना के पीछे ओजोन.समृद्ध वायु का परिवहनए उसके बाद नीचे की ओर वायुमंडलीय गति और वायु.द्रव्यमान का संपीड़न प्रमुख कारण थे। यह उदाहरण बताता है कि ओजोन परत कोई स्थिरए समान मोटाई वाली चादर नहीं है। वायुमंडलीय परिसंचरणए हवाएंए तापमान और रासायनिक प्रक्रियाएं लगातार इसकी संरचना और वितरण को प्रभावित करती हैं।

भारत और नेपाल का पर्यावरणीय भविष्य अलग.अलग खानों में नहीं बांटा जा सकता। नेपाल में ऊंचाई के कारण पराबैंगनी विकिरण का सवाल विशेष महत्व रखता है। नेपाल के भैरहवाए पोखरा और लुम्ले में किए गए एक अध्ययन में यूवी इंडेक्स में उल्लेखनीय मौसमी और स्थानिक अंतर दर्ज किए गए। विशेष रूप से अधिक ऊंचाई वाले लुम्ले और पोखरा में कुछ अवधियों के दौरान यूवी इंडेक्स काफी ऊंचा पाया गया। इसका मतलब यह नहीं कि नेपाल या हिमालय में ओजोन परत खत्म हो रही हैए बल्कि संदेश यह है कि ऊंचाईए सूर्य की स्थितिए बादलए वायुमंडलीय संरचना और ओजोन की मात्रा मिलकर सतह तक पहुंचने वाले यूवी विकिरण को प्रभावित करते हैं। इसलिए हिमालयी देशों को स्थानीय यूवी निगरानीए मौसम विज्ञान और स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी प्रणालियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। भारत और नेपाल के लिए यह सहयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन तेजी से बदलती परिस्थितियां पैदा कर रहा है।

दक्षिण एशिया में गर्मी लगातार बढ़ रही है। जैसे.जैसे तापमान बढ़ता हैए एयर कंडीशनरए रेफ्रिजरेटर और शीतलन प्रणालियों की मांग भी तेजी से बढ़ेगी। भारत और नेपाल जैसे तेजी से विकसित हो रहे देशों के सामने चुनौती दोहरी हैकृएक तरफ लोगों को सुरक्षित और सस्ता शीतलन उपलब्ध कराना और दूसरी तरफऐसी तकनीक अपनाना जो जलवायु तथा ओजोन दोनों के लिए सुरक्षित हो। यहीं किगाली संशोधन का महत्व सामने आता है। एचएफसी ओजोन परत को सीधे नष्ट नहीं करतेए लेकिन उनमें से कई शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसें हैं। इसलिए अगली पीढ़ी की चुनौती केवल ओजोन.क्षयकारी गैसों को हटाना नहींए बल्कि कम ग्लोबल.वॉर्मिंग क्षमता वाली और अधिक ऊर्जा.कुशल शीतलन तकनीक विकसित करना है।

ब्रिक्स ने कर दी ग्लोबल साउथ की मजबूत दावेदारी

भाषा सिंह

भारत की अध्यक्षता में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ग्लोबल साउथ ने विश्व राजनीति में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। दुनिया के 40 फीसदी से अधिक सकल घरेलू उत्पाद के मजबूत आधार वाले ब्रिक्स के 11 देशों ने सम्मेलन में आर्थिक.सामाजिक.राजनीतिक मुद्दों के साथ युद्धए युद्ध जैसी स्थितिए टैरिफवॉरए प्रतिबंधों जैसी चुनौतियों पर बेहतर समझदारी विकसित की। बुनियादी तौर पर सहमति बनी कि ब्रिक्स देशों को एक.दूसरे पर आने वाले संकटों में साथ देना चाहिए। दिल्ली में 12.13 सितंबर को हुए इस शिखर सम्मेलन में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने बड़ी कूटनीतिक जीत हासिल की। छह महीने अमेरिका से जंग लड़ने के बाद भी उनके हौसले बुलंद हैं और वह मजबूती से ट्रंप राज के खिलाफ ताल ठोंकते नजर आए। भारत ने बतौर मेजबान कई देशों के साथ द्विपक्षीय मुलाकातों का भी आयोजन कियाए जिसमें ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मुलाकात बहुत अहम रही।

ब्रिक्स 2026 का घोषणापत्र मौजूदा दौर में अंतर्राष्ट्रीय स्थितियों के मद्देनजर युद्ध के खिलाफहै और कहता है कि संघर्ष व जंग से नहींए बल्कि बातचीतकृआपसी सलाह से मसले हल किए जाने चाहिए। आतंकवाद की भर्त्सना के साथ.साथ तनाव और युद्ध जैसी स्थितियों से बचने का प्रस्ताव लिया गया। टैरिफवॉर से दुनिया पिछले एक साल से जूझ रही है। ब्रिक्स के देश खासतौर पर अमेरिका के टैरिफवॉर के निशाने पर रहे हैंकृचाहे चीन हो या भारत या फिर रूस और सभी के लिए इस टैरिफके डंडे से बाहर निकलने का रास्ता खोजना प्राथमिकता थी। इस तरह 11.12.13 को ब्रिक्स के अलग.अलग प्लेटफॉर्म पर खूब चर्चा हुई। हालांकि घोषणापत्र में सीधे.सीधे अमेरिका का नाम नहीं हैए लेकिन उसकी नीतियों के खिलाफकई स्टेटमेंट हैं। मिसाल के तौर पर ईरानए रूस और चीन ने ब्रिक्स देशों के भीतर व्यापार कैसे स्थानीय मुद्रा में किया जा सकता हैए इस पर सघन चर्चा की है। घोषणापत्र के निशाने पर इस्त्राइल है और खुलकर गाजा में हो रही हिंसा.बर्बरता के खिलाफ बोला गया हैकृजो अपने आप में ऐतिहासिक है। घोषणापत्र में कहा गया है कि ब्रिक्स के देश तमाम पक्षों से यह आग्रह करते हैं कि वे गाजा में युद्धविराम का सम्मान करें। ब्रिक्स फलस्तीनियों को जबरन बाहर धकेलने के खिलाफहै और दो राष्ट्रों के निर्माण की अवधारणा के समर्थन में है। इस तरह से ब्रिक्स के तमाम देशों का फलस्तीन के पक्ष में आना और इस्त्राइल के खिलाफबोलना एक मायने में अमेरिका के स्टैंड के खिलाफबोलना है। सारी दुनिया जानती है कि इस्त्राइल के फलस्तीन में हमले के पीछे अमेरिका है। ब्रिक्स 2026 का घोषणापत्र इस लिहाज से ट्रंप के खिलाफहैए क्योंकि इसके निशाने पर इस्त्राइल है और ईरान पर मंडरा रहे अमेरिकी युद्ध की लालसा है। अमेरिका का नाम लिए बिना पश्चिमी एशिया में चल रहे तनाव का जिक्र है और पश्चिमी एशिया में लगातार बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई गई है और कहा गया है कि ऐसे मामलों में तनाव कम करने के कदम उठाने चाहिए। अमेरिका के टैरिफयानी तटकर के डंडे से ब्रिक्स के सभी देश परेशान नजर आए। चीनए रूसए ईरानए ब्राजील समेत इंडोनेशिया ने भी एकतरफ.मनमानेए तंग करने की नीयत से लगाए जाने वाले टैरिफका विरोध किया। भारत ने भी कहा कि इससे विश्व व्यापार प्रभावित होता है और सप्लाई चेन बाधित होती है। ब्रिक्स के 18वें सम्मेलन ने विश्व व्यापार संगठन के बहुपक्षीय व्यापार सिस्टम का समर्थन किया। इसमें तमाम देशों की साझेदारी संभव है। ये तमाम बातें निश्चित तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति को अखरेंगीए क्योंकि हर मोर्चे पर उनके एजेंडे को चुनौती दी जा रही है। दुनिया को यूनिपोलर यानी एकध्रुवीय बनाने के ट्रंप के सपने को इस सम्मेलन में कड़ी चुनौती मिली है। इसमें बड़ा गेम चेंजर साबित हुआ ईरान और उसका कूटनीतिक दांव। जिस तरह से ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन में अपने एजेंडे को आगे रखा और अमेरिका के खिलाफचल रहे अपने छह महीने के संघर्ष को खुलकर रखा और यह ऐलान किया कि ईरान को गुलाम बनाना असंभव है। उनकी बातों ने माहौल बना दिया। अमेरिका ने जैसे ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला कियाए उसके सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर को ध्वस्त कियाकृउसे भी राष्ट्रपति मसूद ने एक मुद्दा बनाया और कहा कि दरअसल ब्रिक्स के देशों को इनके खिलाफबोलना चाहिएए क्योंकि ये अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा के लिए खतरा है। मसूद ने साथ में फलस्तीनियों के आत्मनिर्णय के अधिकार के समर्थन में अहम बिंदु रखा कि इसके पक्ष में बात करके ही दरअसल ग्लोबल गवर्नेंस की साख की परीक्षा हो सकती है। उधरए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोप व अमेरिका के खिलाफ जमकर बैटिंग की। पुतिन ने यह कहकर सनसनी मचा दी कि रूस सबका दोस्त है और वे यूरोप को सस्ते में तेल बेच रहे थेकृ150 डॉलर प्रति 1ए000 क्यूबिक मीटर और अब वे 1ए000 डॉलर दे रहे हैंए जो आने वाले दिनों में 1ए500 डॉलर हो सकता है। पुतिन ने विकसित देशों के समूह जी.7 की आलोचना करते हुए कहा कि भविष्य ब्रिक्स का हैए जीडीपीए आबादी और बाजार के लिहाज से।

अगले साल ब्रिक्स की अध्यक्षता करने वाले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने स्पष्ट रेखा खींचने का काम किया और कहा कि युद्ध बेकार की चीज हैए इससे आम नागरिक का भला नहीं होता। हमें युद्ध के नहींए शांतिए सहयोगए वार्ता और व्यापार को बढ़ाने पर ध्यान रखना होगा। ब्रिक्स को इतिहास के सही पक्ष में खड़ा होना है और सारे देश इसके लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संतुलित रुख अख्तियार करने की कोशिश की गई। दरअसलए ब्रिक्स सम्मेलन के जरिए ग्लोबल साउथ देशों की वर्ल्ड ऑर्डर में हिस्सेदारी तय करने का काम किया गया। ये एक बेहद जरूरी हस्तक्षेप है। इस साल ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन की थीम थीकृ ष्लचीलापनए नवाचारए सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माणष् जो युद्ध और बढ़ते तनाव के माहौल में अपने आप में चुनौतीपूर्ण था।

ब्रिक्स के देश 370 करोड़ लोगों की आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनकी मांग को अनसुना करना इस समय संभव नहीं है। ब्रिक्स यानी ब्राजीलए रूसए भारतए चीन और साउथ अफ्रीका का एक ऐसा अंतर.सरकारी मंच हैए जिसमें लगातार विस्तार हो रहा है। जनवरीए 2024 में इसमें इज़िप्टए इथियोपियाए ईरानए सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ;यूएईद्ध को शामिल किया गया। फिर जनवरीए 2025 में इसमें इंडोनेशिया भी शामिल हुआ। इस तरह से ब्रिक्स दुनिया के 11 अहम उभरते बाजारों व विकासशील देशों को एकसाथ ला रहा है।

दिल्ली में हुए इस 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में उसके घोषणापत्र में विकास की बहुरंगी छाप की आस दिखी हैए बाजार और तकनीक में समन्वय की गुंजाइश दिखती है। सबसे अहम डी.डॉलराइजेशन यानी डॉलर के प्रभुत्व से मुक्त होने का एक तगड़ा अंडरकरंट नजर आता हैए जिससे अमेरिका का परेशान होना बहुत स्वाभाविक है।

देहदान में देश के लिए मिसाल बना रतलाम मेडिकल कॉलेज

माही की गूंज, रतलाम।

रूढ़िवादिता और सदियों पुरानी परंपराओं को पीछे छोड़कर मानवता की सेवा का नया अध्याय लिखने वाला रतलाम अब देहदान के क्षेत्र में प्रदेश ही नहींए देश के लिए भी मिसाल बन रहा है। वर्ष 2018 में शासकीय मेडिकल कालेज की शुरुआत के बाद से जिले में देहदान और नेत्रदान के प्रति जागरूकता लगातार बढ़ी है।

डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय शासकीय मेडिकल कॉलेज को अब तक 51 देह प्राप्त हो चुकी हैं। इनमें 33 पुरुष और 18 महिलाओं की देह शामिल हैं। इसके अलावा जिले से दो.दो देह शासकीय मेडिकल कालेज मंदसौर और नीमच को भी दी गई हैं। इंदौरए देवासए दाहोदए मंदसौरए नीमच सहित आसपास के अन्य शासकीय और निजी मेडिकल कालेज भी रतलाम से देह की मांग कर रहे हैं।

पुलिस द्वारा मिलता है गार्ड ऑफ आनर

रतलाम में देहदान अभियान को सबसे बड़ा मोड़ 77 वर्षीय सुशीला दिवेकर के निधन के बाद मिला। उनके पुत्र डॉ. रवि दिवेकर और परिवार ने परंपराओं से अलग निर्णय लेते हुए सुशीला दिवेकर का नेत्रदान कराने के साथ ही रतलाम मेडिकल कालेज का पहला देहदान कराया। इस ऐतिहासिक पहल को शासन और पुलिस प्रशासन ने भी सम्मान दिया। दिवंगत सुशीला दिवेकर को गार्ड आफ आनर के साथ अंतिम विदाई दी गई। किसी देहदानी को पुलिस द्वारा गार्ड ऑफआनर दिए जाने का यह रतलाम में पहला मामला था। इससे समाज में देहदान के प्रति सम्मान और जागरूकता को नई दिशा मिली।

राजकीय सम्मान से बढ़ा कारवां

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार द्वारा देहदान करने वालों को राजकीय सम्मान देने का निर्णय लिए जाने के बाद इस अभियान को और गति मिली। विरियाखेड़ी वृद्धाश्रम में रहने वाले 72 वर्षीय ओमप्रकाश सोलंकी के निधन के बाद उनका देहदान भी राजकीय सम्मान के साथ किया गया। रेलवे से सेवानिवृत्त लेखक 82 वर्षीय कृष्णपाल छप्री और लंबी बीमारी से जूझ रहे 43 वर्षीय हितेश टटावत ने भी चिकित्सा शिक्षा के लिए देहदान कर समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया।

देहदान की मुहिम केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रही। 30 वर्षीय आशीष देवड़ा ने अपने जन्मदिन पर मेडिकल कालेज में ही केक काटकर मृत्यु के बाद देहदान का संकल्प फार्म भरा। उनका यह कदम युवाओं के लिए भी प्रेरणादायी बना।

700 लोगों ने लिया संकल्प

देहदान के लिए डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय शासकीय मेडिकल कालेज के साथ काकानी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन और नेत्रम जैसी संस्थाएं लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं। इसके परिणामस्वरूप अब तक 700 नागरिक जीवित रहते हुए मृत्यु के बाद देहदान के लिए एडवांस रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। मेडिकल छात्रों के लिए भी यह अभियान किसी वरदान से कम नहीं है। एमबीबीएस विद्यार्थियों को शरीर रचना विज्ञान की पढ़ाई में वास्तविक मानव शरीर के अध्ययन की आवश्यकता होती है। पहले मेडिकल कालेजों में कैडेवर की कमी बड़ी चुनौती रहती थीए लेकिन रतलाम के नागरिकों की जागरूकता ने एनाटामी की पढ़ाईए व्यावहारिक प्रशिक्षण और शोध के लिए उपलब्धता बढ़ाई है।

प्रदेश में 300.400 देहदान, रतलाम की रफ्तार बढ़ी

काकानी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के गोविंद काकानी के अनुसार देहदान के प्रति जागरूकता लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2016 से पहले पूरे प्रदेश में एक साल में करीब 50 से 60 देहदान होते थेए जबकि अब यह संख्या बढ़कर लगभग 300 से 400 हो गई है। मध्य प्रदेश में देहदान के मामले में इंदौर 50 से अधिक वार्षिक देहदान के साथ पहले स्थान पर हैए जबकि रतलाम 8 से 10 वार्षिक देहदान के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गया है। कोरोना काल में भी कई लोगों ने देहदान के लिए आगे आकर संकल्प निभाने की इच्छा जताईए लेकिन संक्रमण फैलने के खतरे के कारण उस समय कई देह स्वीकार नहीं की जा सकीं। इसके बावजूद जागरूकता और सामाजिक सहयोग का सिलसिला जारी है। लगातार बढ़ते आंकड़े संकेत दे रहे हैं कि रतलाम आने वाले समय में देहदान के क्षेत्र में प्रदेश में नंबर वन बनने की दौड़ में मजबूती से शामिल हो सकता है।

13 दिनों से लापता युवक का शव मिला

माही की गूंज, रतलाम ध्यानीसिंग।

रावटी थाना क्षेत्र में रविवार शाम खेत में लापता युवक का क्षत.विक्षत शव मिलने के साथ ही पास में एक कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। कंकाल के पास नाबालिग लड़की के कपड़े मिले हैं। ऐसे में पुलिस को आशंका है कि कंकाल उसी नाबालिग का हो सकता हैए जो एक सितंबर को युवक के साथ लापता हुई थी। हालांकि पुलिस ने अभी कंकाल की पहचान की पुष्टि नहीं की है। शव के पास जहर की डिब्बी भी मिली है। पुलिस दोनों मामलों को जोड़कर जांच कर रही है। सोमवार दोपहर दोनों पक्ष मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम के लिए उपस्थित थे।

मोर्चरी में दोनों पक्षों में पथराव

इसी दौरान दोनों में कहासुनी बढ़ी और हाथापाई और पथराव की नौबत आ गई। पुलिस के सामने दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग किया। जानकारी के अनुसार रविवार को सेमलखेड़ी निवासी कुसुम पत्नी शंकर गणावा खेत में घास काटने गई थीं। इस दौरान उन्हें बदबू आई। पास जाकर देखने पर खेत में शव पड़ा दिखाई दिया। उन्होंने ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। शाम करीब 6 बजे पुलिस को जानकारी मिली। बारिश के कारण पुलिस करीब रात 8 बजे मौके पर पहुंची। वहां युवक का शव क्षत.विक्षत हालत में पड़ा था। पास ही एक कंकाल भी मिला। पुलिस के अनुसार आसपास के लोगों से जानकारी लेने के बाद मृतक की पहचान 20 वर्षीय सुखराम पुत्र रमश गणावा निवासी ग्राम सेमलखेड़ी के रूप में हुई। उसकी पहचान पहने हुए कपड़ों से हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शव को जानवरों द्वारा खाए जाने के कारण क्षत.विक्षत हालत हुई होगी।

13 दिनों से लापता थी नाबालिग

इधर कंकाल के पास मिले कपड़ों को लेकर पुलिस को लापता नाबालिग से संबंधित होने का संदेह है। नाबालिग के स्वजन ने एक सितंबर को रावटी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी और युवक पर बेटी को ले जाने का संदेह जताया था। कंकाल की पहचान की पुष्टि जांच और डीएनए परीक्षण के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने युवक के शव और कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा है। एफएसएल अधिकारी डॉक्टर अतुल मित्तल सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। पुलिस दोनों के स्वजन से भी पूछताछ कर रही है। रावटी थाना प्रभारी सुरेंद्र गडरिया ने बताया कि युवक का शव और एक कंकाल पास.पास मिला है। नाबालिग के स्वजन ने युवक पर संदेह जताते हुए गुमशुदगी दर्ज कराई थी। युवक की पहचान हो गई हैए जबकि कंकाल की पहचान बाकी है। मामले की जांच की जा रही है।

जैन मुनि ने कहा, इन दो से सदैव बचने का प्रयास करें

माही की गूंज, रतलाम।

पर्युषण महापर्व के दौरान जैन संत प्रकाशमुनि की निश्रा में संवत्सरी पर्व मनाया गया। मान कषाय और क्रोध से सबसे ज्यादा बैर की गांठ बंधती हैए तीसरी गांठ माया से भी बंधती है। संत ने क्षमा के संकल्प के साथ बताया कि संसार में सबसे ज्यादा नुकसान बैर और लोभ से ही होता है। इसलिए इनसे सदैव बचने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने क्षमापना पर्व पर मन से क्षमापना करने का आव्हान भी किया।

मोहन टाकीज स्थित सौभाग्य प्रकाश दरबार में 16 सितंबर को श्रमण संघीय प्रवर्तक पूज्य प्रकाश मुनि की निश्रा में सुबह साढे सात बजे से सामूहिक क्षमापना का आयोजन होगा। इसके बाद तप आराधकों के लिए सामूहिक पारणा का कार्यक्रम रखा गया है। इसके साथ ही श्री संघ का नवकारसी की आयोजन भी होगा। चातुर्मास समिति ने समाजजनों से उपस्थित रहने का आव्हान किया है।

क्षमा के संकल्प के साथ संवत्सरी का पर्व मना

मालव केसरी पूज्य गुरुदेव सौभाग्यमल जी मसा के सुशिष्यए रत्नपुरी के रत्नए श्रमण संघीय प्रवर्तक पूज्य श्री प्रकाश मुनिजी मसा निर्भय की निश्रा में मंगलवार को क्षमा के संकल्प के साथ संवत्सरी का पर्व मना। चातुर्मास आयोजन समिति ने अठठाई सहित अन्य कठोर तप करने वाले 50 से अधिक तपस्वियों का बहुमान किया। महासती चंद्रयशा ने 41 उपवास पूर्ण कर

45 उपवास के प्रत्याख्यान लिए।

क्षमा करना ही प्रेम का सृजन है

मोहन टाकीज स्थित श्री सौभाग्य प्रकाश दरबार में प्रवचन देते हुए प्रवर्तकश्री ने कहा कि संवत्सरी का पर्व बैर की गांठ खोलने का संदेश देता है। इस दिन वो सौभाग्यशाली होता हैए जो अपने मन में मैत्री के भाव भरता और बैर का विसर्जन कर देता है। मन को शुद्ध करना और मन से क्षमा करना ही प्रेम का सृजन है। शरीर का सुख और मन का सुख किसी काम का नहीं होताए असली सुख बैर के विसर्जन करने में हैए जो कभी विसर्जित नहीं होता है।

50 से अधिक तपस्वियों का सम्मान

शुरुआत में प्रवचन प्रभाविका सुमनप्रभाए महासती चंदनबाला एवं महासती स्वर्णाश्री ने संबोधित किया। पारस वोरा ने अध्यक्षीय भाषण दिया। पूर्व श्रीसंघ अध्यक्ष प्रकाश मूणत ने चातुर्मास की रूपरेखा बताते हुए तपस्वीगण की जानकारी दी। प्रवर्तकश्री ने कई तपस्वियों को तपस्या के प्रत्याख्यान कराए। चातुर्मास आयोजन समिति 50 से अधिक तपस्वियों का सम्मान किया।

प्रवचन प्रभाविका महासती रही मंचासीन

इस दौरान प्रवचन प्रभाविका सुमनप्रभा ठाणा.8ए महासती चंदनबालाए महासती कल्पना एवं सेवाभावी दर्शनमुनि मंचासीन रहे। धर्मदास जैन श्री संघ के सदस्यगणए धर्मदास जैन मित्र मंडल ट्रस्टए सौभाग्य तीर्थ ट्रस्टए सौभाग्य जैन नवयुवक मंडलए सौभाग्य प्रकाश युवक मंडलए सौभाग्य जैन महिला मंडलए सौभाग्य अणु बहु मंडल एवं सौभाग्य प्रकाश बालक.बालिका मंडल के सदस्यगण उपस्थित रहे।

इन तपस्वियों का हुआ बहुमान

प्रखर अश्विन गंग 31 उपवासए क्रिजंल अभिषेक मेहता 30 उपवासए शिल्वी राकेश छाजेड 16 उपवासए राकेश गांधीए पूजा हेमंत गंग 11 उपवासए विनोद झामरए सरला विनोद झामर 10 उपवासए सुरेश ओराए अतुल कैलाशचंद्र चौरडियाए जाली राजेन्द्र गादियाए शांताबाई राजमल कुमठए अर्पिता कटारिया 9 उपवासए नरेन्द्र लालचंद गंगए प्रीति नरेद्र गंगए ऋतु महेन्द्र गंगए दर्शना राहुल चौरडियाए रोहित कमलेश चौरडियाए प्रियांश संजय चौरडियाए दिव्या प्रियांश चौरडियाए अक्षत नीतेश जैनए बाबुलाल मेहताए मनीष प्रकाश गादियाए आयुष सुशील मूणतए टिवकल आयुष मूणतए रेखा अशोक राठोडए माला जैनए अक्षिता राहिल सियालए अंजू लोकेश मांडोतए शिखा गौरव जैनए क्षीतिज प्रमोद नाहरए इशिता क्षीतीज नाहरए समीक्षा कीर्ति दखएि मनीश राजेन्द्र गुगलियाए प्रियंका मनीष गुगलियाए प्रियांशी वीरेंद्र लोढाए मुस्कान महेश कटकानीए पलक कटारियाए वृद्धि दीपक भरगटए अनुष्का अजय पितलियाए रिया पंकज कटकानीए मनवी अरविंद मूणतए डाली राकेश झामरए अमन अजय मूणतए सुनीता राजकुमारी संघवीए कीर्तिष नरेन्द्र नागसेठीयाए अरूण मूणत एवं हर्षिता अनिल गांधी सभी 8.8 उपवास सहित अन्य तपस्वी गण।

घर से 100 फीट दूर खेल रही थी यंशिका, अचानक गिरी दीवार

माही की गूंज रतलाम।

जिले में रहने वाले एक घर में अचानक दुखों का पहा? टूट प?ा। हर शाम की तरह अपनी फ्रेंड के साथ बाहर खेलने गई 9 साल की बच्ची दोबारा घर वापस नहीं आई। एक घंटे तक माता.पिता को पता ही नहीं चला उनकी लाडली मलबे में दबी हुई है और वह अन्य महिला को बचाने में लगे हुए थे। मामला नामली थाना क्षेत्र के रघुनाथग? गांव का है।

दरअसल सोमवार शाम को कच्चे मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार के पास 9 साल की यंशिका चौहान और 12 वर्षीया प्रीति खेल रही थी। इस हादसे में यंशिका का निधन हो गया। वहींए प्रीति और एक 65 साल की महिला हादसे में घायल हुए है। दोनों को मेडिकल कालेज रतलाम में भर्ती कराया गया है।

गांव में चल रहा था कार्यक्रम, दीवार गिरने के नहीं दी आवाज

नामली पुलिस थाने के एएसआई जुगल सिंह रावत के अनुसार हादसा सोमवार की शाम करीब साढ़े पांच से छह बजे के बीच रुघनाथगढ़ में हुआ। गांव के सीताराम पिता नारायण चौहान ने थाने में सूचना दी कि वह घर पर था। गांव में तेज आवाज में कार्यक्रम चल रहा था जिस कारण दीवार गिरने की आवाज किसी को नहीं आई। इसी दौरान पड़ोस में आवाज सुनकर मौके पर पहुंचा। वहां प्रकाश पिता वरदीराम चौहान के कच्चे मकान की दीवार गिरी हुई थी। हादसे में सीताराम की बड़ी मां मांगूबाई ;65द्ध दबकर घायल हो गई थीं। आसपास के लोगों ने उन्हें दीवार की मलबे से बाहर निकाला।

1 घंटे बाद सुनाई दी बच्ची की रोने की आवाज, मलबा हटाकर देखा तो...

बुजुर्ग महिला को दीवार की मिट्टी से बाहर निकालने के बाद सभी लोग उन्हें संभालने में लग गए। करीब एक घंटे बाद मलबे के अंदर से बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। लोगों ने तलाश कर प्रीति पिता जगदीश को भी मलबे से बाहर निकाला। इसके बाद सीताराम की बेटी यंशिका भी मलबे में दबी मिली। दोनों बच्चियों और घायल मांगूबाई को उपचार के लिए मेडिकल कालेज रतलाम ले जाया गया लेकिन यंशिका को डॉक्टर बचा नहीं सके। मंगलवार की सुबह पीएम के बाद यंशिका को परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार दीवार कैसे ढही इसका फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

घर से 100 फीट दूर हुआ हादसा, सबको रुला गई यंशिका

यंशिका के पिता सीताराम ने बताया कि हर दिन की तरह उनकी बेटी अपनी दोस्त प्रीति के साथ खेलने शाम के समय निकली थी। दोनों बच्चियां एक पतली गली से गुजर रही थी कि तभीए घर से सिर्फ 100 फीट दूर यह हादसा हो गया और यंशिका उनसे हमेशा के लिए दूर हो गई। पिता ने बताया कि उनका ध्यान ब?ी मां को बचाने पर था और एक घंटे बाद उन्होने प्रीति की रोने की आवाज सुनी। बुधवार को मिली जानकारी के अनुसारए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले में जो भी लापरवाह पाया जाएगाए उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दर्शन के लिए जा रहे खाटूश्याम के 3 भक्तों ने गंवाई जान

माही की गूंज, मंदसौर।

दिल्ली.मुंबई एक्सप्रेस.वे पर मंगलवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गईए जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस समय हुआए जब खाटूश्याम दर्शन के लिए जा रही कार आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। मृतकों में कुछ लोग गुड़गांव ;गुरुग्रामद्ध निवासी बताए जा रहे हैंए जबकि एक मृतक राजस्थान के अलवर का रहने वाला था।

बीच रोड पर घनघोर अंधेरा होने से वाहनों की टक्कर

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की तहकीकात शुरु की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कार सवार सभी लोग खाटूश्याम के लिए निकले थे। मंदसौर के पास बरसात के बीच रोड पर घनघोर अंधेरा होने से वाहनों की टक्कर हो गई। हादसे में

जिन लोगों ने जान गंवाई है उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। सभी के परिजन रवाना भी हो चुके हैं।

घायल बिजंदर ने बताई पूरी घटना, सभी लोग रमे थे भक्ति भाव में

हादसे में घायल व्यक्ति बिजंदर ने घटना के बारे में पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजस्थान के अलवर और गुड़गांव के रहनेवाले हम सभी साथी खाटू श्याम जा रहे थे। बिजंदर के अनुसारए कार सवार सभी लोग भक्ति भाव में रमे थे। रास्ते में एक्सप्रेस.वे पर चढ़ाई के दौरान यह हादसा हो गया। दुर्घटना में कार सवार अरविंदए कैलाश और बिंदर की जान चली गई।

आगे चल रहे ट्रक के पीठे की लाइट बंद

घायल ने बताया कि आगे चल रहे ट्रक के पीछे की लाइट बंद थी। इसी दौरान बारिश भी हो रही थी। अंधेरा होने के कारण ट्रक दिखाई नहीं दिया। अचानक ट्रक सामने आने पर कार चालक संभल ही नहीं सका और तेज रफ्तार कार पीछे से ट्रक में जा घुसी।

पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया

टक्कर में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही सांस थम गईए जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

दो ट्रकों की खतरनाक ड्राइविंग, अटकी रह गई राहगीरों की सांसें

माही की गूंज, शाजापुर। जिले से गुजरने वाले नेशनल हाईवे.52 पर रोजवास टोल के पास दो ट्रक चालकों का खतरनाक स्टंट देखने को मिला है। बता दें किए दोनों ही ट्रक एक.दूसरे को पीछे करने की होड़ में तेज रफ्तार दौड़ाते हाईवे पर लापरवाही पूर्वक ट्रक दौड़ाते नजर आए। खास बात ये है किए जजिस समय दोनों ट्रक चालक लापरवाही पूर्वक सड़क पर ट्रक लहरा रहे थेए तब मार्ग पर अन्य कई वाहन भी चल रहे थे। ऐसे में ये सीधे तौर पर खुद के साथ साथ अन्य राहगीरों की जान से खिलवाड़ है। इस हैरान कर देने वाली घटना का एक वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा है।

इंदौर जाते दंपती रिकॉर्ड किया वीडियो- मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो दो दिन पहले का बताया जा रहा है। वीडियो पीछे चल रहे कार में सवार एक दंपती ने अपने मोबाइल के कैमरे से रिकॉर्ड किया था। जानकारी ये भी है किए जिस दंपती ने वीडियो रिकॉर्ड किया थाए वो अपनी कार से इंदौर की तरफजा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार के आगे चल रहे दोनों ट्रकों के चालक खतरनाक तरीके से वाहन चलाते दिखाई दिए।

हाईवे पर गंभीर लापरवाही का वीडियो वायरल- वायरल वीडियो में कार में सवार महिला की आवाज भी रिकॉर्ड हुई हैए जिसमें वो संटंटबाजी करते ट्रकों को लेकर कहते सुनाई दे रही है किए श्दोनों चालक लापरवाही पूर्वक ट्रक चला रहे हैं। पीछे ये दो बाइक सवारों को टक्कर मारते हुए आ रहे हैंए दोनों बाइक सवार घायल हुए हैं। इसके बाद भी ये इस तरह वाहन चला रहे हैं। इस तरह ये किसी को भी अपनी चपेट में ले लेंगे।श् सामने आए वीडियो में ही एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर टेढ़ा होकर रुक गया। गनीमत रही किए उसकी हरकतें देखकर पीछे चल रहे लोगों ने पहले ही अपनी रफ्तार कम कर रखी थी। ऐसे में अगर हाईवे पर कोई नियमित रफ्तारसे वाहन चला रहा होता तो यकीनन कोई बड़ा हादसा हो सकता था।

हाईवे पर हर समय रहता है हादसे का खतरा- नेशनल हाईवे.52 पर रोजाना बड़ी संख्या में छोटे.बड़े वाहनों का गुजर होता है। ऐसे में भारी वाहनों के चालकों द्वारा इस तरह लापरवाही से वाहन चलाना दूसरे वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। तेज रफ्तार ट्रकों से बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। इधरए वायरल वीडियो के सामने आने के बाद हाईवे पर यातायात व्यवस्था और भारी वाहनों की निगरानी को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। आम लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले ऐसे वाहन चालकों की पहचान कर उनके खिलाफसख्त कार्रवाई की जानी चाहिएए ताकि अन्य कोई और ऐसी लापरवाही करने के बारे में न सोचे। फिलहालए देखने दिलचस्प होगा किए शाजापुर पुलिस मामले में क्या एक्शन लेती है।

एमपी के युवक गुजरात में उतार रहे थे नशीले पदार्थ की बड़ी खेप

माही की गूंज, मंदसौर।

गुजरात के अहमदाबाद में नशीले पदार्थ की बड़ी खेप पहुंचने से पहले ही क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। नरोडा क्षेत्र के हंसपुरा चार रास्ता के पास घेराबंदी कर पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 939 ग्राम मेफेड्रोन ;एमडीद्ध ड्रग्स बरामद हुई है।

पुलिस के मुताबिकए जब्त ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 4ण्50 करोड़ रुपए है। आरोपी यह खेप अहमदाबाद में किसी व्यक्ति को डिलीवर करने के लिए मंदसौर से लेकर आए थे। मंदसौर से कार में 939 ग्राम मेफेड्रोन लेकर अहमदाबाद पहुंचे थे। हंसपुरा चार रास्ते पर क्राइम ब्रांच ने दबोचाए ड्रग्स नेटवर्क की कड़ियां खंगालने में पुलिस जुटी हैं।

11 सितंबर को मिली थी सूचना

क्राइम ब्रांच के डीसीपी अजीत राज्यान के अनुसारए पुलिस टीम को 11 सितंबर को सूचना मिली थी कि मध्य प्रदेश के तीन व्यक्ति कार में

भारी मात्रा में नशीला पदार्थ लेकर अहमदाबाद आ रहे हैं। सूचना के आधार पर हंसपुरा चार रास्ता के आसपास निगरानी बढ़ाई गई। संदिग्ध कार के पहुंचते ही पुलिस टीम ने उसे रुकवाकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से 939 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। पुलिस ने मौके से तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

करीब 31 लाख रुपए का माल भी जब्त

पुलिस के अनुसारए जब्त एमडी की अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका मूल्य 4ण्50 करोड़ रुपए आंका गया है। आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोनए कार और अन्य सामान समेत करीब 31 लाख रुपए का माल भी जब्त किया गया। आरोपियों के खिलाफएनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मंदसौर के लाला के इशारे पर अहमदाबाद आए

प्राथमिक पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे मंदसौर की इंदिरा कॉलोनी निवासी इमरान पठान उर्फ लाला के कहने पर ड्रग्स की खेप लेकर अहमदाबाद आए थे। यहां पहुंचने के बाद उन्हें मोबाइल के जरिए लाला के संपर्क में रहना था और उसके बताए व्यक्ति को ड्रग्स की डिलीवरी सौंपनी थी। अब क्राइम ब्रांच यह पता लगाने में जुटी है कि अहमदाबाद में खेप की डिलीवरी कहां होनी थी और इस नेटवर्क में और कौन.कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ड्रग्स के स्रोत और संभावित खरीदारों तक पहुंचने के लिए आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

10 दिन के रिमांड पर आरोपी

क्राइम ब्रांच ने तीनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। अदालत ने पूछताछ और नेटवर्क की आगे की जांच के लिए तीनों आरोपियों का 10 दिन का रिमांड मंजूर किया है।

मुखबिरी के शक में सरपंच पति की हत्या

माही की गूंज, खंडवा।

गुड़ी वन परिक्षेत्र में करीब 10 हजार एकड़ वनभूमि पर हुए अतिक्रमण और उसे हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई ने एक खूनी संघर्ष को जन्म दे दिया। बोरखेड़ा की सरपंच ज्ञानीबाई के पति एवं पूर्व सरपंच रूमसिंह की हत्या के पीछे पुलिस ने इसी विवाद को मुख्य कारण माना है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों को संदेह था कि वन विभाग और प्रशासन को उनके अतिक्रमण तथा मकानों की जानकारी रूमसिंह ने दी थी। इसी कारण करीब 15 दिन तक निगरानी करने के बाद 10 सितंबर की रात उन पर घात लगाकर हमला किया गया। हमले में कुल्हाड़ी और चाकू का इस्तेमाल किया गया, जिससे उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कोरोना काल के दौरान गुड़ी वन परिक्षेत्र में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण शुरू हुआ था। झाबुआ, धार और बड़वानी क्षेत्र से आए लोगों ने जंगल की भूमि साफकर खेती शुरू कर दी। वर्ष 2023 से प्रशासन लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रहा था। इसी वर्ष जून में बड़े स्तर पर अभियान चलाकर कई कब्जे और मकान हटाए गए थे। रूमसिंह पूर्व में वन विभाग में चौकीदार रह चुके थे और बाद में राजनीति में सक्रिय हुए। उनके वन विभाग से पुराने संबंधों के कारण अतिक्रमणकारियों को उन पर मुखबिरी का संदेह था। पुलिस के अनुसार हत्या की योजना पहले से बनाई गई थी। आरोपियों ने रूमसिंह की गतिविधियों पर नजर रखी और 10 सितंबर की रात उनके अकेले निकलने की सूचना मिलने पर खेत के पास घेरकर हमला कर दिया।

मामले में अनिल, दिनेश, सरदार, छतरसिंह और सुरमल को आरोपी बनाया गया है। इनमें से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मुख्य आरोपी छतरसिंह और सुरमल अभी फरार हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि छतरसिंह ने कुल्हाड़ी से पहला वार किया था। पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने बताया कि पूछताछ में यह तथ्य सामने आया है कि आरोपियों को अपने मकान टूटने के पीछे रूमसिंह की भूमिका होने का संदेह था। इसी संदेह के चलते हत्या की साजिश रची गई। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

ट्रैक्टर चोरी के प्रकरण का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, खंडवा।

छैगांवदेवी क्षेत्र से चोरी हुए 7 लाख 11 हजार रुपए मूल्य के महिंद्रा युवो टेक-575 ट्रैक्टर चोरी प्रकरण का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में दो आरोपियों को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया ट्रैक्टर महाराष्ट्र के बीड जिले से बरामद कर लिया गया।

जानकारी के अनुसार छैगांवदेवी निवासी अनोखीलाल पिता भैय्यालाल पटेल ने 4 सितंबर को थाना छैगांवमाखन में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 3-4 सितंबर की रात उनके घर के बाहर खड़ा नया महिंद्रा युवो टेक-575 ट्रैक्टर अज्ञात बदमाश चुरा ले गए। ट्रैक्टर की कीमत करीब 7.11 लाख रुपए बताई गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में विशेष जांच दल गठित किया गया। जांच दल ने घटनास्थल और आसपास लगे निगरानी कैमरों के दृश्य खंगाले तथा तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल संकेतों के आधार पर संदिग्धों की गतिविधियों का पता लगाया। ट्रैक्टर की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी पर 3 हजार रुपए का पुरस्कार भी घोषित किया गया था।

जांच के दौरान आरोपियों के महाराष्ट्र में होने की जानकारी मिलने पर पुलिस दल ने कार्रवाई करते हुए 15 सितंबर को धर्मेंद्र पिता दूरसिंह बारेला एवं गौतम पिता दयाराम बारेला को महाराष्ट्र के चापड़ा क्षेत्र से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी डेहरिया, थाना पिपलोद क्षेत्र के निवासी हैं। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपने साथी शांताराम पिता बीलरसिंह, निवासी हीवराफाटा, चौकी नावरा, थाना नेपानगर के साथ मिलकर ट्रैक्टर चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि चोरी के बाद ट्रैक्टर को महाराष्ट्र के बीड जिले के नेकनूर क्षेत्र में छिपाकर रखा गया था। पुलिस दल आरोपियों को साथ लेकर नेकनूर पहुंचा और उनकी निशानदेही पर चोरी गया ट्रैक्टर बरामद कर लिया। मामले में तीसरा आरोपी शांताराम अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी धर्मेंद्र बारेला थाना पिपलोद का निगरानी बदमाश है। उसके खिलाफ चोरी और नकबजनी के 12 प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस उसके आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य संभावित वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

शराब से भरे वाहन में लगी आग

माही की गूंज, बड़वाह।

बड़वाह से लगभग सात किलोमीटर दूर बागफल और मनिहार के बीच स्थित मयूर ढाबे के पास बुधवार सुबह शराब से भरे एक मालवाहक वाहन में अचानक आग लग गई। वाहन में बड़ी मात्रा में शराब की पेटियां भरी हुई थीं। समय रहते आग पर काबू पा लेने से बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार वाहन पीथमपुर स्थित इकाई से शराब की पेटियां लेकर कर्नाटक जा रहा था। रास्ते में चालक वाहन चालू हालत में छोड़कर ढाबे पर चाय पीने चला गया। इसी दौरान वाहन के अगले हिस्से से धुआं निकलना शुरू हुआ और देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं। चालक और आसपास मौजूद लोगों ने प्रारंभिक स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग बढ़ती चली गई। सूचना मिलने पर बड़वाह से अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और काफी प्रयास के बाद आग पर नियंत्रण पाया। आग लगने से वाहन पर लगी तिरपाल जल गई तथा पीछे रखी शराब की कुछ पेटियां भी इसकी चपेट में आ गईं। हालांकि आग पूरे माल तक नहीं पहुंची, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ लोगों ने शराब की पेटियां ले जाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस बल ने स्थिति संभालते हुए किसी को भी वाहन के पास नहीं जाने दिया। चालक ने घटना की सूचना संबंधित थाने में दे दी है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। नुकसान का वास्तविक आकलन संबंधित कंपनी के अधिकारियों के मौके पर पहुंचने के बाद किया जाएगा।

खेल मैदान की बदहाली: छात्रों का अनिश्चितकालीन सत्याग्रह

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय शहीद भीमा नायक स्नातकोत्तर महाविद्यालय के खेल मैदान की बदहाल स्थिति को लेकर बुधवार से छात्र-छात्राओं ने अनिश्चितकालीन सत्याग्रह शुरू कर दिया। एथलेटिक्स खिलाड़ी, विभिन्न खेलों के प्रतिभागी तथा एनसीसी और एनएसएस कैडेट्स सुबह से मैदान परिसर में धरने पर बैठे रहे।

छात्रों का कहना है कि पिछले ढाई वर्षों से खेल मैदान में मूलभूत सुविधाओं की कमी, सुरक्षा संबंधी समस्याएं और रखरखाव की अनदेखी बनी हुई है। कई बार ज्ञापन और चर्चा के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं होने पर सत्याग्रह का रास्ता अपनाना पड़ा। खिलाड़ियों ने प्राचार्य को 17 सूत्रीय मांग-पत्र सौंपकर निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई की मांग की है। खिलाड़ियों ने बताया कि 400 मीटर आठ लेन वाले लाल मिट्टी के दौड़ मार्ग का समतलीकरण नहीं होने से हल्की बारिश में भी घुमावदार हिस्सों में पानी भर जाता है, जिससे अभ्यास प्रभावित होता है। उन्होंने जल निकासी के लिए स्थायी नाली या पाइप लाइन बनाने की मांग की है।

खिलाड़ियों के अनुसार लंबी कूद गड्ढे में मानक रेत के स्थान पर गिट्टी और मिट्टी भरी हुई है, जिससे चोट लगने का खतरा बना रहता है। इसके अलावा हॉकी मैदान और दौड़ मार्ग के बीच सुरक्षा जाली नहीं होने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

छात्रों ने बताया कि व्यायामशाला के कई उपकरण जर्जर हो चुके हैं। वहीं मैदान में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने से शाम के समय अभ्यास में परेशानी होती है। उन्होंने उच्च क्षमता वाली प्रकाश व्यवस्था लगाने की मांग की है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी खिलाड़ियों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि मैदान के प्रवेश द्वारों पर निगरानी कैमरे और सुरक्षा कर्मी नहीं हैं। साथ ही परिधि दीवार भी पर्याप्त ऊंची नहीं है, जिससे असामाजिक तत्वों का प्रवेश हो जाता है। छात्रों ने खेल मैदान में निजी एवं राजनीतिक कार्यक्रमों पर रोक लगाने तथा वाहन पार्किंग बंद करने की मांग की है। महिला खिलाड़ियों ने शौचालय और वस्त्र परिवर्तन कक्ष की सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराने की मांग उठाई। इसके अलावा मैदान की देखरेख के लिए ग्राउंड्समैन नियुक्त करने, खेल विभाग के लिए अलग भंडार कक्ष बनाने, नियमित खेल सामग्री उपलब्ध कराने तथा खिलाड़ियों और महाविद्यालय प्रशासन की संयुक्त प्रबंधन समिति गठित करने की मांग भी रखी गई है। छात्रों का कहना है कि मांगों पर अमल शुरू होने तक उनका सत्याग्रह शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से जारी रहेगा।

महाविद्यालय परिसर में हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, सेंधवा।

वीर बलिदानी खाज्या नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में छात्रा पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी छात्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पहले छात्रा पर पिस्टल से गोली चलाने का प्रयास किया, लेकिन गोली नहीं चलने पर चाकू से हमला कर दिया।

एसडीओपी अजय वाघमारे ने बताया कि आरोपी द्वारा इस्तेमाल की गई पिस्टल से गोली नहीं चली। इसके बाद उसने जेब से चाकू निकालकर छात्रा पर हमला कर दिया। हमले में छात्रा की गर्दन पर चोट आई। सूचना मिलने पर आपातकालीन पुलिस सेवा की सहायता से

छात्रा को सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी गर्दन पर तीन टांके लगाए गए। चिकित्सकों के अनुसार छात्रा की हालत अब खतरे से बाहर है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह छात्रा से विवाह करना चाहता था। छात्रा द्वारा प्रस्ताव अस्वीकार किए जाने और सगाई तय होने की जानकारी मिलने के बाद वह रंजिश रखने लगा था। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में यह भी बताया कि वह छात्रा की हत्या करने के बाद स्वयं को भी गोली मारने की योजना बना रहा था। शहर थाना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध हत्या के प्रयास तथा शस्त्र अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस अब बरामद हथियार की वैज्ञानिक जांच कराएगी। साथ ही अवैध हथियार आरोपी तक कैसे पहुंचा, इसकी भी जांच की जा रही है। घटना के बाद महाविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप-आलोट के गुराडिया में स्वीकृत राशि हजम करने का मामला, सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत

माही की गूंज, आलोट

आलोट के समीप ग्राम पंचायत गुराडिया में सड़क की राशि में भ्रष्टाचार का आरोप लगा हे ओर सीएम हेल्फ लाइन पर शिकायत की गई हे शिकायत करता दीपक शर्मा ने बताया कि जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम गुराडिया में पंचायत द्वारा मुख्य सड़क निर्माण में भारी अनियमितता और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। गुराडिया से डेम तक सड़क निर्माण होना हे लेकिन अभितक कार्य शुरू नहीं हुआ हे इस दौरान सनातन समाज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक शर्मा जब जनसंपर्क के लिए गांव गुराडिया पहुंचे, तब ग्रामीणों ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए पंचायत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

सड़क स्वीकृत, काम अधूरा; ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की मुख्य सड़क पंचायत द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है, लेकिन मौके पर कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ। सड़क की हालत बदहाल है, जहां कीचड़ और जलभराव के चलते लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है। ग्रामीणों ने सरपंच संगीता बाई (पति कैलाश परमार) पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सड़क निर्माण के नाम पर जारी हुई सरकारी राशि का गबन कर लिया गया और धरातल पर काम शून्य है।

दोषियों पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई: दीपक शर्मा

जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद सनातन समाज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक शर्मा ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि जनता के हक के पैसों का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दीपक शर्मा ने इस पूरे भ्रष्टाचार की शिकायत तुरंत सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज कराते हुए उच्चाधिकारियों से निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों को दिया वैज्ञानिक एवं आधुनिक बकरी पालन का प्रशिक्षण

माही की गूंज, आलीराजपुर।

कृषि विज्ञान केंद्र केवीके आलीराजपुर द्वारा ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित 5 दिवसीय उन्नत बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीण युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा आधुनिक एवं वैज्ञानिक पद्धतियों से बकरी पालन करने की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण के समापन एवं प्रमाण.पत्र वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि एवं ग्राम पंचायत वालपुर के सरपंच श्री जयपाल खरत उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण.पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए श्री खरत ने कहा कि बकरी पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और आजीविका बढ़ाने का एक सुलभ एवं बेहतर माध्यम है। युवाओं को पारंपरिक तरीकों के स्थान पर उन्नत एवं वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर बकरी पालन को व्यावसायिक गतिविधि के रूप में विकसित करना चाहिएए जिससे वे अपनी आय में वृद्धि कर सकें। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉण् राकेश यादव ने प्रशिक्षण के उद्देश्यों एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. आर. बेरवा, आरसेटी के निदेशक विकास पवार, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉण् सुभाष रावतए डॉण् मुकेश गुप्ता एवं श्री संदीप तोमर सहित जिले के अलग अलग क्षेत्र से आए प्रशिक्षु उपस्थित थे।

कचरे की दुर्गंध से स्कूल की 6 छात्राओं की तबीयत बिगड़ी

माही की गूंज, धार।

कन्या हायर सेकंडरी स्कूल राजोद में गुरुवार को कचरे की दुर्गंध के कारण करीब 5.6 छात्राओं की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया। छात्राओं को घबराहट होने के साथ मचलने की शिकायत हुई। उन्होंने इसकी जानकारी अपने क्लास टीचर और प्राचार्य जेके शर्मा को दी। इसके बाद प्राचार्य छात्राओं को तत्काल राजोद अस्पताल लेकर पहुंचे।

अस्पताल में डॉक्टर भंवर ने छात्राओं का उपचार किया। तीन छात्राओं को इंजेक्शन और गोलियां देकर अस्पताल में भर्ती किया गया। इनमें दिव्या जाट निवासी सदला, राधा चरण निवासी रानीखेड़ी राजोद और अंगूरबाला निवासी झिंझोटा की तबीयत अधिक खराब बताई गई। अधिक तकलीफ होने पर इन्हें सरदारपुर रेफर करने की बात कही गई।

स्कूल के पास ही डाला जा रहा कचरा

स्कूल के पास पूरे राजोद का कचरा एकत्रित किया जाता है। यहां कचरा जमा होने से लगातार दुर्गंध की समस्या बनी रहती है। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, दुर्गंध के कारण पहले भी कई बार छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ा है।

इस समस्या की जानकारी संबंधित अधिकारियों को भी दी जा चुकी है।

प्राचार्य जेके शर्मा द्वारा सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल को भी समस्या से अवगत कराने की बात कही गई है। आरोप है कि कचरा हटाने का आश्वासन मिलने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। परीक्षा के समय छात्राओं की तबीयत बिगड़ने से स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों में चिंता है।

समय रहते समस्या हल करने की मांग

स्कूल प्रबंधन का कहना है कि यदि कचरे का ढेर जल्द नहीं हटाया गया और समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आगे भी छात्राओं की तबीयत खराब हो सकती है। प्राचार्य ने प्रशासन से मामले में तत्काल ध्यान देकर कचरा हटाने और दुर्गंध की समस्या दूर कराने की मांग की है। इस संबंध में विधायक प्रताप ग्रेवाल से मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया गयाए लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

डीएलसीसी एवं डीएलआरसी बैठक

माही की गूंज, आलीराजपुर।

डीएलसीसी एवं डीएलआरसी की बैठक कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती माथुर ने प्रधानमंत्री उद्यम क्रांति योजनाए पीएमईजीपी योजना, पीएम एफएमईए मुद्रा योजनाए पशु चिकित?सा एवं विक्रय संबंधी योजनाओं, स्वनिधी योजना आदि के अंतर्गत हितग्राहियों को दिए जा रहे ऋण के प्रकरणों की समीक्षा की।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती माथुर ने समस्त विभागवार योजना वार प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध प्रकरणों के निराकरण एवं बैंक वार तय लक्ष्य के विरूद्ध स्वीकृत प्रकरणों की बिन्दु वार जानकारी की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि बैंक अधिकारी इन योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का सकारात्मकता पूर्वक निस्तारण करें । साथ ही दस्तावेजों में किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर संबंधित विभागीय अधिकारी से समन्वय कर आवश्यक पूर्ति कराई जाए तथा पात्र प्रकरणों को अनावश्यक रूप से निरस्त न किया जाए। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती माथुर ने सोंडवाए कड्डीवाड़ा एवं जोबट के ब्लॉक लेवल अधिकारियों द्वारा अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर इस माह निर्धारित लक्ष्य से दोगुना लक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने समय सीमा में कार्य पूर्ण नहीं होने पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती माथुर ने सेवा.संकल्प अभियान के शुभारंभ पर 17 सितंबर 2026 को सभी बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिक संख्या में अपने घर एवं परिसर में दीप प्रज्वलित करने तथा अपनी स्वेच्छानुसार रक्तदान करने की अपील की। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संघमित्रा गौतम महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र उप संचालक पशु चिकित्सा सहायक संचालक उद्यानिकी आजीविका मिशन कृषि विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी.कर्मचारी एवं समस्त बैंकों के प्रबंधक उपस्थित रहे।

वराह मार्च पर पुलिस की सख्ती

माही की गूंज, धार।

मंगलवार को धार शहर में प्रस्तावित वराह मार्च वाहन रैली से पहले पुलिस ने सनातन प्रहरी समिति से जुड़े लोगों को हिरासत में लिया है। सुबह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डाबर ने समिति के लोगों को हिरासत में लिए जाने की पुष्टि की है।

दोपहर दो बजे से पहले कुछ करीब 12 युवा कार्यकर्ता बाइक से त्रिमूर्ति चौराहा से पीजी कॉलेज की ओर मार्च में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रास्ते में हिरासत में ले लिया और बाइक भी जब्त कर ली। बाइक पर वराह मार्च के स्टीकर्स लगे थे। पुलिस ने दोपहर तक 20 से अधिक लोगों को हिरासत में ले लिया है। त्रिमूर्ति चौराहे से पीजी कॉलेज जाने वाले रास्ते पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। सनातन प्रहरी संस्था ने 2 बजे से वराह मार्च का आह्वान किया है। प्रशासन ने रैली की अनुमति निरस्त कर दी है।

प्राथमिक रूप से यह माना जा रहा है कि प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करने पर यह कार्रवाई की गई है।जिला प्रशासन द्वारा अनुमति निरस्त कि, जाने के बावजूद समिति ने रैली निकालने की बात कही थी। समिति का कहना था

कि उसने आयोजन की अनुमति नहीं मांगी, बल्कि केवल सूचना दी थी। इसी मुद्दे को लेकर प्रशासन और समिति के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। जिला दंडाधिकारी द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए जाने के बाद बिना अनुमति किसी भी आयोजन को लेकर प्रशासन की सख्ती बढ़ गई थी। ऐसे में पुलिस की गिरफ्तारी कार्रवाई से दोपहर 2 बजे प्रस्तावित रैली के आयोजन पर संकट गहरा गया है। प्रशासन द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन की स्थिति में कार्रवाई की चेतावनी पहले ही दी जा चुकी थी।

इन लोगों की पकड़ने की जानकारी

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास जाट, लोकेश यादव, आशीष बसु, सत्यनारायण रघुवंशी, संदीप यादव सहित बाला उर्फविक्रम, बाला उर्फस्वप्निल सितौले और दीपक उर्फरोहित सांठे को गिरफ्तार किया गया है। इस प्रकार अब तक कुल 7 लोगों पकड़े जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस की ओर से सभी गिरफ्तारियों और धाराओं की आधिकारिक विस्तृत पुष्टि अभी बाकी है। गिरफ्तारी के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन प्रस्तावित वराह मार्च को रोकने के लिए आगे क्या कदम उठाता है।

लाट मस्जिद क्षेत्र में भी सुरक्षा कड़ी

प्रस्तावित मार्ग और समापन स्थल को देखते हुए पुलिस ने संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल तैनात किया है। प्रमुख स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है। लाट मस्जिद क्षेत्र में भी सुरक्षा घेरा बढ़ाया गया है। लोगों की आवाजाही और आवागमन को नियंत्रित करने के इंतजाम किए गए हैं। पुलिस प्रशासन सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली सूचनाओं और गतिविधियों पर नजर रख रहा है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी स्थिति में कानून.व्यवस्था बिगड़ने नहीं दी जाएगी। पुलिस प्रशासन द्वारा भी विशेष रूप से अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। कानून.व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं।

-राजीव रंजन मीणा, कलेक्टर, धार

रबी फसल प्रबंधन एवं कार्ययोजना की समीक्षा

माही की गूंज आलीराजपुर।

जिले में कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए आगामी रबी सीजन की फसल प्रबंधन एवं कार्ययोजना की समीक्षा बैठक कृषि विज्ञान केन्द्र आलीराजपुर में संभागीय संयुक्त संचालक कृषि जितेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। उन्होंने अधिकारियों को कम पानी एवं कम अवधि वाली फसलों की बुवाई के लिए किसानों को प्रेरित करने तथा विकासखण्डवार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इस दौरान सिंह ने जोबट, उदयगढ़, आलीराजपुर एवं सोंडवा में विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित उड़द, अरहर, सोयाबीन एवं मूंगफली फसल प्रदर्शनों का अवलोकन किया। साथ ही आलीराजपुर स्थित मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण कर मिट्टी नमूनों का समय पर परीक्षण तथा स्वाइल हेल्थ कार्ड के अनुसार संतुलित उर्वरक उपयोग के लिए किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों को ई.विकास प्रणाली के माध्यम से ई.टोकन बुकिंग की नई प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही फसल बीमा योजना की जानकारी भी दी गई। बैठक में कृषि विभाग के अधिकारी एवं मैदानी अमला उपस्थित रहा।

सैकड़ों की भीड़ और रेत छानने की होड़...

पन्ना।

पन्ना में बारिश शुरू हुई तो रूंझ नदी के किनारे लोगों की भीड़ जुटने लगी। हाथों में कुछ औजारए नजरें नदी की रेत और मिट्टी पर और मन में एक ही उम्मीद . शायद आज किस्मत चमक जाए और कोई हीरा हाथ लग जाए। कोई अकेले नहीं आया था।सैकड़ों लोग नदी की चाल में हीरे खोजने पहुंच गए। कुछ ने तो बाकायदा टेंट लगा लिया और वहीं डेरा जमा लिया।

पन्ना के अलावा आसपास के जिलों और उत्तर प्रदेश के बांदा से भी लोग पहुंचे थे। लेकिन जब लोगों की यह भीड़ वन विभाग तक पहुंचीए तो मामला बदल गया। वन अमले की टीम रूंझ नदी पहुंची और लोगों को वहां से हटाना शुरू कर दिया।

मामला पन्ना के विश्रामगंज रेंज का है। रूंझ डैम के डूब क्षेत्र के पास रूंझ नदी की चाल में अचानक लोगों की भीड़ बढ़ गई। बारिश के बाद नदी की रेत और मिट्टी में हीरा मिलने की उम्मीद में लोग अलग.अलग जगहों से यहां पहुंचने लगे। कोई हाथ से मिट्टी छान रहा थाए कोई रेत को गौर से देख रहा था और कोई अपनी जगह बनाकर तलाश में जुटा था।

छतरपुर, पन्नाए टीकमगढ़ और दमोह समेत आसपास के इलाकों से लोग यहां पहुंचे थे। उत्तर प्रदेश के बांदा से भी लोग हीरे की तलाश में आए। भीड़ बढ़ी तो कुछ लोगों ने नदी किनारे अस्थायी टेंट तक लगा लिए। यानी उम्मीद सिर्फकुछ घंटे तलाश करने की नहीं थीए कई लोग यहां रुककर अपनी किस्मत आजमाने पहुंचे थे।

सालों से बारिश के बाद यहां आती हूं

हीरे की तलाश में पहुंचीं पन्ना की श्याम बाई बताती हैं कि वह सालों से बरसात के बाद इस नदी में हीरे खोजने आती हैं। इस बार भी वह इसी उम्मीद से पहुंची हैं। हालांकि उनके मुताबिक अभी तक कोई बड़ा हीरा हाथ नहीं लगा।

छोटे.छोटे हीरे मिलते हैंए लेकिन उनसे ज्यादा फायदा नहीं होता। उनकी बातों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि पन्ना में नदी की चाल में हीरा तलाशना कुछ लोगों के लिए कोई नई बात नहीं है। बारिश आते ही यह उम्मीद फिर जिंदा हो जाती है कि शायद इस बार जमीन से निकली कोई चमक जिंदगी बदल दे। पुराने पन्ना की पार्वती कोदर भी इसी तलाश में रूंझ नदी पहुंची थीं। उनका कहना है कि इस बार उन्हें काफी परेशानी हुई और वन विभाग के कर्मचारियों ने उन्हें वहां से हटा दिया। उनके मुताबिकए वह सिर्फथोड़ी देर ही तलाश कर पाईं। रूंझ नदी के आसपास लोगों की बढ़ती भीड़ की जानकारी वन विभाग को मिली। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग की चिंता सिर्फइस बात को लेकर नहीं थी कि लोग नदी में क्या तलाश रहे हैं। पूरा इलाका वन क्षेत्र से जुड़ा हुआ है और वहां वन्यजीवों के साथ जहरीले जीव.जंतुओं का भी खतरा रहता है। बारिश के मौसम में नदी और आसपास की जमीन की स्थिति भी बदल जाती है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों का वहां जमा होना सुरक्षा के लिहाज से जोखिम भरा हो सकता है। वन विभाग ने लोगों को समझाया और नदी किनारे जमा भीड़ को वहां से हटाया।

डीएफओ के निर्देश पर बढ़ाई गई निगरानी

उत्तर वन मंडल के डीएफओ धीरेंद्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में विश्रामगंज रेंजर राहुल सिंह सिकरवार के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने लोगों को समझाइश दी और पूरे इलाके को खाली कराया। वन विभाग के मुताबिकए अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए इलाके में निगरानी भी बढ़ा दी गई है। डीएफओ धीरेंद्र प्रताप सिंह ने भी बताया कि टीम ने मौके पर पहुंचकर लोगों को हटाया और क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई है।

पन्ना का नाम आते ही सबसे पहले हीरे का ख्याल आता है। यहां हीरे की तलाश और खनन का पुराना इतिहास है। यही वजह है कि बारिश के बाद नदी की चाल में हीरा मिलने की उम्मीद लोगों को यहां तक खींच लाती है। लेकिन नदी किनारे चमकती किसी चीज की तलाश जितनी रोमांचक लगती हैए उतना ही बड़ा जोखिम भी हो सकता है। खासकर तबए जब जगह वन क्षेत्र में हो और आसपास जंगली जानवरों तथा जहरीले जीवों की मौजूदगी हो। रूंझ नदी किनारे इस बार भी सैकड़ों लोग अपनी किस्मत आजमाने पहुंचे थे। किसी के हाथ कुछ लगा या नहींए यह अलग बात है। फिलहाल वन विभाग ने भीड़ को वहां से हटा दिया है और इलाके पर नजर रखी जा रही हैए क्योंकि पन्ना में हीरे की चमक लोगों को बार.बार खींच जरूर लाती हैए लेकिन जंगल और नदी के बीच किस्मत तलाशने से पहले सुरक्षा और नियमों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

बाउंड्रीवाल की गिरी दिवार के मलबे में इस प्रकार से कई बाईक चपेट में आकर पुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

कई महिनो से गिरने जेसी हालत में थी बाउंड्रीवाल की दिवार का यह हिस्सा हुआ जमिदोज।

बड़ा हादसा टलाः प्राचार्य की अनदेखी से बाउंड्रीवाल की दीवार गिरी, कई बाईक मलबे में दबी

माही की गूंज, खवासा। हरिश भटेवरा

किसी भी स्कूली संस्था चाहे वह शासकीय हो या अशासकीय वह स्कूल अगर कोई उपलब्धि हासिल करती है तो उसका श्रेय संस्था प्रभारी या प्राचार्य को ही जाता है। ऐसे में कोई अनियमितताएं या किसी अनदेखी के चलते कोई घटना घटित होती है तो उसकी जवाब देही भी संपूर्ण रूप से संबंधित संस्था के प्राचार्य या संस्था प्रभारी की ही मानी जाएगी।

इसी प्रकार एक मामला सामने आया जिसमें संस्था प्राचार्य की अनदेखी के चलते बाउंड्रीवॉल जमीदोज हो गई लेकिन भगवान की मेहरबानी रही कि, उक्त हादसे में बड़ी घटना टल गई। मामला है ग्राम भामल की अशासकीय महर्षि दयानंद आश्रम (एमडीएच) स्कूल का। यहां पर पिछले करीब दो दशक से प्राचार्य संजय आर्य उक्त संस्था में पदस्थ है। वहीं करीब एक दशक से लगभग नवीन स्कूल भवन का निर्माण हुआ उक्त निर्माण भी इसी प्राचार्य की देखरेख में ही हुआ। वहीं उक्त स्कूल निर्माण के समय भी भामल में चर्चा का विषय बनता रहा था कि, उक्त वैदिक शिक्षा को प्रदान करने वाली ट्रस्ट के माध्यम से बन रही स्कूल निर्माण में भी साहब कमीशन रूपी बिल बनाकर दिल्ली तक भिजवा रहे हैं और निर्माण की राशि में सेंध लगाकर अपनी भी बल्ले-बल्ले कर रहा है। उक्त कहासुनी व चर्चा पुनः एक दशक के बाद मंगलवार को होने लगी जब स्कूल की बाउंड्रीवाल धड़ाम से जमीनदोज हो गई और बाउंड्रीवाल के अंदर खड़ी कई बाइक मलबे में दब गई। उक्त घटना जैसे ही लोगों को लगी वैसे ही बच्चों के पालक एवं अन्य लोग स्कूल पर पहुंचे तो उनके सामने आया कि, बच्चे स्कूल में अध्यनरत थे

स्कूल की छुट्टी होने के बाद छोटे व मासुम बच्चे बाउंड्रीवाल की जमिदोज हुई दिवार को देख डरे सहमे दिखाई दिए।

उस समय यह घटना घटित हुई और जो बच्चे बाहर थे वह भी स्कूल बाउंड्री से थोड़ी दूर खड़े थे। ऐसे में वह भी बाल-बाल बचे लेकिन एक-दो बच्चों को मामूली चोट आई लोगों ने जब यह देखा तो उनकी जान में जान आई। लेकिन बाउंड्रीवाल की दीवार के पास खड़ी कई मोटरसाइकिल बाउंड्रीवॉल के मलबे में दबकर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। लोगों का कहना है कि, अगर बच्चों की छुट्टी या स्कूल लगने का समय होता या फिर खेलकूद के समय उक्त बाउंड्रीवॉल जमीदोज होती तो तय है किसी न किसी घर के चिराग का बुझना उक्त हादसे में तय था। भगवान की रहमत ही रही कि, उपरोक्त समय में बाउंड्रीवाल की दीवार जमीदोज नहीं हुई नहीं तो बाइक के साथ हमारे बच्चे भी मलबे में दबे दिखाई देते। जब माही की गूंज कार्यालय में घटना की जानकारी मिली तो माही की गूंज के दो पत्रकार मौके पर पहुंचे। घटना के फोटो लिए जब तक वहां से भीड़ तो छट चुकी थी लेकिन कुछ लोग माही की गूंज के पत्रकारों को देख पहुंचे और उन्होंने बताया, उक्त बाउंड्रीवाल की दीवार कई महीनो से टेढ़ी-मेढ़ी और गिरने जैसी हो रही थी। जिस बारे में गांव के कुछ लोगों से प्राचार्य संजय आर्य से चर्चा भी हुई थी कि, यह दीवार कभी भी गिर सकती है...! ऐसे में इस दीवार को जल्द तोड़कर नया निर्माण करवाया जाए कहा गया था। लेकिन प्राचार्य की अनदेखी कहे या फिर संस्था के ऊपर बैठे जवाबदारों को जानकारी मिलने के बाद भी उनकी अनदेखी कहे जो भी हो आज संस्था के जवाबदारों की अनदेखी के चलते बड़ी जनहानि हो सकती थी। लोगो का कहना है कि, भला हुआ कि उक्त घटना के दौरान बच्चे स्कूल में अध्यनरत थे नहीं तो बाईको का जिस प्रकार कचूमर हुआ हमारे बच्चे भी कचूमर हो जाते ये सोचकर ही हम सिहर चुके हैं। भगवान का लाख-लाख आभार रहा की यह बड़ी घटना उन्होंने टाल दी।

सागर जहरीली शराब कांड के बाद भी नहीं जागा आबकारी अमला, ढाबों पर खुलेआम परोसी जा रही है शराब

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

कलेक्टर, एसडीएम को लेना होगा एक्शन

मध्यप्रदेश वर्तमान में सरकारी तंत्र के फेलियर का सब से बड़ा हब बना हुआ है जहां थोड़े थोड़े दिनों में आम जनता को सरकारी नाकामी का हर्जाना मौत के रूप में उठाना पड़ता है। इंदौर में गंदा पानी पीने से हुई मौतों का हो या बालाघाट में स्वास्थ्य व्यवस्थाओ की कमी के चलते बच्चो की मौत या फिर सागर जिले में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों का मामला। सरकार हर कदम पर फेल होती नजर आ रही है। हर बार सरकार इस प्रकार की त्रासदी के बाद प्रशासनिक सेवाएं दूरस्थ करती नजर भी आती है ओर एक जिले में हुए मामले की लो पूरे प्रदेश में दिखाई देती है। प्रशासन लगातार छापेमारी कार्रवाई कर इस प्रकार की कोई बड़ी त्रासदी का शिकार न हो इसके लिए काम करती दिखती है। दूसरा आम जनता में ये संदेश देना चाहती है कि, सरकार लगातार ऐसे मामलों में गंभीरता दिखाती है। वर्तमान में सागर जिले में जहरीली शराब पीने से तीस से ज्यादा मौतों का मामला प्रदेश नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में है। शराब ठेकेदारों की आड़ में बड़े नेताओं ओर अधिकारीयों की साठगांठ उजागर हो गई ,जिस शराब को जांच एजेंसियों ने सुरक्षित माना था वही शराब लोगो की मौत का कारण बन गई। मध्यप्रदेश का आदिवासी झाबुआ जिला भी शराब ठेकेदारों की रंगदारी ओर मनमानी के चपेट में है ओर यहां शराब के लिए केवल लायसेंसी दुकानें नहीं बल्कि ठेकेदार की शराब खपाने के लिए सैकड़ों अवैध काउंटर है जहां से लायसेंसी ठेकेदार दुकान के माल की आड़ में अपना ब्रांड ओर शराब परोस कर माल छाप रहा है। मामले सामने आने के बाद भी शासन-प्रशासन इस प्रकार के मामलों की जांच तक नहीं करता ओर फिर एक दिन सागर जिले में हुए शराब कांड की तरह आम जनता को खामियाजा उठाना पड़ सकता है।

पूर्व में माही की गूंज के माध्यम से बड़ा खुलासा नकली शराब का किया था लेकिन प्रशासन ने अपने बिके होने का प्रमाण देते हुए कार्रवाई तो ठीक दुकानों, शराब गोदामों ओर अवैध शराब विक्रेताओं के यहां छापेमारी तक नहीं की।

सागर शराब कांड के बाद भी नहीं जागा आबकारी अमला ओर पुलिस विभाग

मध्यप्रदेश के सागर में हुए शराब कांड के बाद कई जिलों में हलचल है। आबकारी ओर पुलिस अलग-अलग मोर्चा पर छापेमारी कर रही है लेकिन उसके उलट झाबुआ जिले के पेटलावद विकास खंड में आबकारी ओर पुलिस किसी प्रकार की हरकत में नहीं आई। आलम ये है इतने बड़े कांड के बाद भी अवैध शराब बिक्री पर एक दिन की रोक तक नहीं दिखी। खास कर की कुकुरमुत्ते की तरह जगह-जगह फेल चुके ढाबे जहा से अवैध शराब किसी शराब दुकान की रोज की बिक्री से ज्यादा मात्रा में शराब बिक्री की जा रही है। खुलेआम अवैध शराब के अवैध आहते भरे नजर आ रहे है। मुख्य मार्गो से लगे ढाबे जहा से पुलिस ओर आबकारी रोज गुजर रही है इन अवैध रूप से शराब बेच रहे ढाबों पर खड़े तक नहीं होते। महीना बंदी ओर लाइसेंसी ठेकेदार का दबाव ओर प्रभाव दोनों जवाबदार विभाग पर इतना है कि, किसी भी कार्रवाई से पहले ओर बाद में ठेकेदार के लोग तय करते है कि, कार्रवाई कैसी ओर कितनी करनी है।

हरियाणा,चंडीगढ़ की शराब किसकी ...?

इन अवैध शराब के अड्डों पर हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब जैसे राज्यों के मार्क वाली शराब जो केवल इन राज्यों में बेचने के लिए होती है वो शराब भी यहां तक बिकती है ओर कई अवैध दुकानों पर ऑनली फॉर सेल मध्यप्रदेश की शराब बिकती है। पुलिस ओर आबकारी रस्म अदायगी के लिए अवैध शराब बिक्री करने के लिए केश बनाती है जिसमें जप्त मामूली शराब पर लगे हॉलमार्क इसकी पुष्टि करते है कि अवैध रूप से बेची जा रही। शराब या तो शराब ठेकेदार की है या फिर बाहरी राज्यों से आ रही है जो कई बार एक्सपायर तक होती है। लेकिन शराब कोन लाया, कहा से आई ,किस बैच नम्बर की है, किस ठेकेदार के पास से सप्लाई हुई ये आज तक पता नहीं लगाया गया। अब बड़ा सवाल उठता है कि, बाहरी राज्यों सहित मध्यप्रदेश राज्य की शराब इन अवैध दुकानों पर कहा से आ रही है।

लायसेंसी दुकानो से होलसेल बिक्री, खुलेआम शराब ले जाते दिखेंगे वाहन

कहने को शराब दुकानों के लाइसेंस फुटकर बिक्री के लिए किए गए हैं लेकिन लाइसेंसी शराब दुकानों की निगरानी की जाए तो पता लगेगा कि, फुटकर शराब से ज्यादा शराब अवैध रूप से ओर नियम विरुद्ध होलसेल में खपाई जा रही है। शराब दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे इसका प्रमाण खुद देगे कि कैसे अवैध रूप से शराब दुपहिया ओर चार पहिया वाहनों से बेची ओर सप्लाई की जा रही है। शराब मध्यप्रदेश की है या किसी अन्य राज्य की, वैध रूप से ठेकेदार के पास पहुंची है या अवैध रूप से इसकी कोई पुष्टि नहीं की जाती। ओर फिर इस प्रकार की लापरवाही एक दिन लोगो की मौत का बड़ा कारण बन कर उभर कर आती है। क्योंकि ज्यादा ओर जल्दी कमाने की चाहत कभी-कभी ऐसा गलत ओर जहरीला माल भी अवैध बिक्री के रूप में खप जाता है। अवैध शराब के मामलों को देखने के लिए आबकारी ओर पुलिस विभाग दोनों ही है लेकिन ठेकेदारों से इनकी साठ-गांठ किसी से छुपी नहीं है। ऐसे में झाबुआ जिला प्रदेश का दूसरा सागर जिला न बनने पाए इसके लिए क्षेत्र के एसडीएम ओर कलेक्टर को समय रहते इस पर कड़ी कार्रवाई ओर निगरानी करनी होगी।

अंबे माता चौराहे पर फुटी पाइपलाइन और पानी से भरा गड्ढा।

अंधेर नगरी चौपट राजा, उर्फ नगर परिषद

माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट

एक कहावत हे कि 'अंधेर नगरी चौपट राजा, टके शेर भाजी टके शेर खाजा' जैसी स्थिति नगर परिषद के कार्यो की होने लगी हे। जैसे-जैसे नई परिषद गठन का समय निकट आ रहा वैसे-वैसे ही अधिकारी, कर्मचारी हो अथवा होने वाले कार्यो की कंस्ट्रक्शन कंपनियां, ठेकेदार से लेकर सप्लायर तक 'भागते भूत की लंगोटी खींचने' की तर्ज पर लूटमार मचाने में मशगूल है वही नगर की जनता परेशान है। ताजा मामला नगर परिषद से अबें माता चौराहे व जीआर सिटी कालोनी तक पेयजल पाइप लाइन को लेकर सामने आया।

लागत 11 लाख खर्च,नतीजा शून्य

शासन के निर्देशानुसार नगर की अति पुरानी पेयजल पाइपलाइन को बदलना था, हालांकि पूरे नगर की पाइपलाइन पूर्व ठेकेदार द्वारा डाल दी गई थी। किंतु जीआर सीटी कालोनी में नई पाइपलाइन कार्य नहीं हुआ था। जिसके चलते उक्त कालोनी में पेयजल समस्या होने लगी थी। नगर परिषद ने जीआर सीटी में नई पाइपलाइन का ठेका 11 लाख में किसी वीर कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया था। वीर कंस्ट्रक्शन कंपनी ने स्वयं कार्य न करते हुए पाइपलाइन का कार्य पेटी कांट्रेक्ट पर स्थानीय कांटेक्टर के हाथों दे दिया। पाइपलाइन जेसीबी के माध्यम से बिछा दी किंतु उक्त पाइपलाइन 6 माह में भी चालू नहीं हो सकी।

घटिया पाईप लगे फूटने

नगर परिषद ने अस्पताल चौराहा ओर जीआर सीटी कालोनी हेतु 11 लाख की पाइपलाइन तो बिछा दी किंतु पेयजल सप्लाई टेस्टिंग में ही पाइपलाइन जगह-जगह लीकेज होने लगी जो फोटो की जुबानी स्पष्ट दिखाई दे रहे। आश्चर्य तो यह कि, 9 सौ मीटर में तीन लीकेज सामने अभीतक आ चुके जिनमें पहला नगर परिषद कार्यालय के बाहर। दूसरा पुलिस थाना परिसर के बाहर ओर तीसरा अंबेमाता चौराहे पर। अब नगर परिषद के जिम्मेदार एक दूसरे को कोसते नजर आरहे हे।

त्योहारो में आ रही अड़चन

नगर परिषद की नई पाइपलाइन में हुए भारी भ्रष्टाचार के चलते त्योहारों के समय निकलने वाले चल समारोह जुलूस आदि निकलने में दिक्कते हो रही है। अंबे माता मंदिर चौराहा व गवली मोहल्ला पर खोदा गया गड्ढा जानलेवा साबित हो रहा है।

नगर परिषद के गेट के आगे फुटी हुई पाइपलाइन।

पुरानी लाईन पर पुनः निर्भर

नगर परिषद की इस हिस्से की नई पाइपलाइन की स्थिति 'आसमान से गिरे खजूर में अटके' जैसी स्थिति होने लगी है। नई पाइपलाइन के शुरू होने से पहले ही लीकेज होने से नगर परिषद ने पुरानी जर्जर लाईन से ही पेयजल सप्लाई पुनः शुरू किया। लेकिन उक्त लाईन भी बदहाल होने से अस्पताल चौराहा, ओर कालोनीवासियों को पेयजल समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

इस संबंध में नगर परिषद सीएमओ से चर्चा करना चाही किंतु सीएमओ ने काल रिसीव करना मुनासिब नहीं समझा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422